लखनऊ
बुधवार 25 फरवरी, 2026
वर्ष : 11 । अंक: 186
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8
UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक
आर्यावर्त क्रांति

"जब इंसान खुद को समझना शुरू कर देता है, तब दुनिया की नजरों का असर अपने आप कम होने लगता है।"

TODAY WEATHER

DAY 20° Hi
NIGHT 10° Low

संक्षेप

मथुरा के इस गांव में सदियों से होलिका दहन की अनोखी परंपरा, जलती आग पर चलते हैं पुजारी

मथुरा। रंगों के पर्व होली की शुरुआत ब्रज क्षेत्र में फुलेरा दूज के साथ हो चुकी है। फूलों की होली, लठमार या लड्डू की होली, सभी मन मोहते हैं। वहीं, कृष्ण नगरी मथुरा के फालैन गांव में अनोखी परंपरा देखने को मिलती है, जहां के निवासी सदियों से चली आ रही परंपरा का निर्वहन भक्ति और विश्वास के साथ करते हैं। मथुरा जिले के फालैन गांव में सदियों पुरानी होलिका दहन की परंपरा आज भी जीवंत है, जो भक्त प्रह्लाद की आस्था और अग्नि परीक्षा की याद दिलाती है। यह गांव 'प्रह्लाद की नगरी के नाम से जाना जाता है और यहां होलिका दहन केवल अच्छाई की जीत का प्रतीक नहीं, बल्कि अटूट विश्वास, तपस्या और साहस का उदाहरण है। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के अनुसार, फालैन गांव का होलिका दहन आस्था का अद्भुत उत्सव है। होलिका दहन से लगभग 45 दिन पहले गांव का पुजारी कठोर व्रत, तप, ब्रह्मचर्य पालन, भूमि-शयन और विशेष अनुष्ठान शुरू करता है। प्रह्लाद मंदिर में रहकर वह दिन में एक बार भोजन करता है और सात्विक जीवन जीता है। इसके बाद होलिका दहन की रात, प्रह्लाद कुंड में स्नान और पूजा के बाद विशाल होलिका प्रज्वलित की जाती है। जब आग प्रचंड रूप ले लेती है और अंगारे दहकने लगते हैं, तब पुजारी नंगे पैर, निडर होकर जलती हुई होलिका के बीच से गुजरता है या दौड़ लगाता है। यह दृश्य श्रद्धालुओं के लिए बेहद खास होता है। यह परंपरा सतयुग से चली आ रही मानी जाती है, जो भगवान विष्णु के भक्त प्रह्लाद की कहानी से जुड़ी है।

एआई इम्पैक्ट पर नई दिल्ली घोषणापत्र में शामिल हुए 91 देश और वैश्विक संगठन

नई दिल्ली। एआई इम्पैक्ट पर नई दिल्ली घोषणापत्र में शामिल होने वाले देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों की संख्या बढ़कर 91 हो गई है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने यह जानकारी मंगलवार को दी गई। पिछले सप्ताह नई दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का समापन नई दिल्ली घोषणा को अपनाने के साथ हुआ। यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में वैश्विक सहयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने बताया कि 21 फरवरी 2026 तक 88 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने इस घोषणा का समर्थन किया था। इसके बाद बांग्लादेश, कोस्टा रिका और ग्वाटेमाला भी इससे जुड़ गए, जिससे हस्ताक्षरकर्ताओं की कुल संख्या 91 हो गई है। यह घोषणा एआई का उपयोग आर्थिक विकास और सामाजिक कल्याण के लिए करने पर व्यापक वैश्विक सहमति को दर्शाती है। सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय के सिद्धांत से प्रेरित यह घोषणा इस बात पर जोर देती है कि एआई के लाभ पूरी मानवता तक समान रूप से पहुंचने चाहिए। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, घोषणा में अंतरराष्ट्रीय सहयोग और बहु-हितधारक भागीदारी को मजबूत करने, राष्ट्रीय संप्रभुता का सम्मान करने और सुलभ तथा भरोसेमंद ढांचे के माध्यम से एआई को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया है।

मुख्यमंत्री योगी का सिंगापुर मिशन सुपरहिट, उत्तर प्रदेश को मिला 1 लाख करोड़ का निवेश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि पिछले दो दिनों में सिंगापुर की कंपनियों से उत्तर प्रदेश को 1 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनमें 60,000 करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापन (एमओयू) भी शामिल हैं। सिंगापुर में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इन दो दिनों में हमें उत्तर प्रदेश में 1 लाख करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्ताव मिले हैं। इसमें यहां हस्ताक्षरित 60,000 करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापन भी शामिल हैं। आज हम कई उद्योगपतियों से मुलाकात कर रहे हैं। आज रात हम जापान के लिए रवाना होंगे।

योगी ने आगे कहा कि उन्होंने सिंगापुर में एक विश्व स्तरीय कौशल विकास केंद्र का दौरा किया और रोजगार क्षेत्र के उन मॉडलों का अध्ययन किया जिन्हें राज्य सरकार उत्तर प्रदेश में लागू करने की योजना बना रही है। सिंगापुर दौरे के दूसरे दिन, मुख्यमंत्री योगी ने आगामी नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए विमानन क्षेत्र में एक बड़े निवेश का अवलोकन किया। विमानन सेवा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एआईएसएटीएस ने हवाई अड्डे पर 4,458 करोड़ रुपये के निवेश के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

इस निवेश का उपयोग आधुनिक कार्गो टर्मिनल परिसर और अत्याधुनिक एयर कैटरिंग किचन के विकास के लिए किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि यह कैटरिंग सुविधा न केवल जेवर से आने वाली उड़ानों को भोजन उपलब्ध कराएगी, बल्कि उत्तर भारत के अन्य हवाई अड्डों को भी भोजन की आपूर्ति करेगी, जिससे यह क्षेत्र एक प्रमुख विमानन सेवा केंद्र बन जाएगा। दौरे के दौरान, मुख्यमंत्री ने एसएटीएस के अध्यक्ष और सीईओ श्री केरी मोक से मुलाकात की। उनकी उपस्थिति में, एसएटीएस लिमिटेड ने नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, जेवर में विश्व स्तरीय कार्गो परिसर के विकास के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए, साथ ही ताज एसएटीएस एयर कैटरिंग किचन की स्थापना भी की, जो जेवर और उत्तर भारत के अन्य हवाई अड्डों को भोजन उपलब्ध कराएगी।

मुख्यमंत्री योगी ने एसटी टेलीमीडिया ग्लोबल डेटा सेंटर्स के अध्यक्ष और ग्रुप सीईओ ब्रूनो लोपेज़ के साथ उत्तर प्रदेश के आईटी, औद्योगिक, विमानन और व्यापारिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने पर भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि बातचीत में हाइपरस्केल डेटा सेंटर इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र और टिकाऊ प्रौद्योगिकी निवेश में सहयोग पर ध्यान केंद्रित किया गया।

उदय भानु चिब की गिरफ्तारी तानाशाही प्रवृत्ति और कायरता का प्रमाण है : राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान इंडियन यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए 'शर्टलेस प्रोटेस्ट' के सिलसिले में दिल्ली पुलिस ने इंडियन यूथ कांग्रेस (युवा कांग्रेस) के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब को गिरफ्तार कर लिया है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने इस गिरफ्तारी का विरोध किया है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि उदय भानु चिब की गिरफ्तारी तानाशाही प्रवृत्ति और कायरता का प्रमाण है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने लिखा कि शांतिपूर्ण विरोध हमारी ऐतिहासिक धरोहर है। यह हमारे खून में है और हर भारतीय का लोकतांत्रिक अधिकार है। मुझे युवा कांग्रेस के अपने बब्बर शेर साथियों पर गर्व है, जिन्होंने निडर होकर देश के हित में आवाज़ उठाई है। अमेरिका के साथ हुए ट्रेड डील में देश के हितों से समझौता किया गया है। यह समझौता हमारे किसानों और टेक्सटाइल उद्योग को नुकसान पहुंचाएगा तथा हमारे डेटा को अमेरिका के हाथों में सौंप देगा।

उन्होंने आगे कहा, इस सच्चाई को देश के सामने रखने के लिए युवा कांग्रेस अध्यक्ष उदय भानु चिब और इंडियन यूथ कांग्रेस के अन्य साथियों की गिरफ्तारी तानाशाही प्रवृत्ति और कायरता का प्रमाण है। कांग्रेस पार्टी और मैं अपने बब्बर शेर साथियों के साथ मज़बूती से खड़े हैं। सत्ता को सच का आईना दिखाना अपराध नहीं, देशभक्ति है।

कांग्रेस के शहजादे को कोई सीरियस नहीं लेता : शेखावत

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मंगलवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार पर देश को बेचने और किसानों को खत्म करने के उनके बयान अशोभनीय थे और भारत की प्रतिष्ठा को धूमिल करते हैं। शेखावत ने सवाल उठाया कि वास्तविकता की जांच के बावजूद गांधी की बार-बार की गई टिप्पणियों को माफ किया जा सकता है या नहीं, उन्होंने विपक्षी नेता के राजनीतिक प्रवचन के दृष्टिकोण के बारे में चिंताओं को उजागर किया।

शेखावत ने एक्स पर लिखा कि "देश बेच दिया", "किसानों को ख़त्म कर दिया", "टेक्सटाइल इंडस्ट्री को बर्बाद कर दिया"- ये राहुल गांधी की भाषा है। यह तो पूरा देश जानता है कि उनकी मानसिक क्षमता सकारात्मक राजनीति के लायक नहीं है। बावजूद इसके उनका कुछ भी बोलना और इस तरह बोलना जिससे देश की साख पर आँच आती है, क्या क्षम्य है? क्या उन्हें यह मानकर माफ़ कर दिया जाए कि वे अपरिपक्व हैं, भ्रम में जीते हैं क्योंकि रियलिटी चेक में कई बार फेल हो चुके हैं। भाजपा नेता ने कहा कि माफ़ करने की भी एक सीमा होती है। कांग्रेस के शहजादे को कोई गंभीरता से नहीं लेता, ख़ुद कांग्रेसी भी नहीं, लेकिन उनके मानसिक स्वास्थ्य पर विचार की आवश्यकता जरूर है। इस तरह जो मुँह में आया वो बोलने से देश का तो कुछ नहीं बिगड़ने वाला लेकिन जगहंसाई जरूर होगी कि भारत में अपोजिशन का लीडर 'डिस्टर्ब' है। ये टिप्पणियां तब आईं जब गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के ढांचे को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर हमला किया था। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने देश को बेच दिया है। सोमवार को एक वीडियो संदेश में, भाजपा द्वारा भारतीय युवा कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को 'शर्मनाक' करार दिए जाने के जवाब में, राहुल गांधी ने व्यापार समझौते के ढांचे को शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा कि मोदी जी, क्या आप शर्म की बात करते हैं? मैं आपको बताता हूँ शर्म क्या होती है। आपका नाम, आपके मंत्री का नाम और आपके मित्र का नाम एपस्टीन फाइलों में एक साथ आना, ऐसे घिनौने अपराधी से जुड़ना - यह शर्मनाक है।

सीएम रेखा गुप्ता का बड़ा फैसला, सड़क दुर्घटना पीड़ितों की मदद करने वालों को अब कैश पुरस्कार और कानूनी सुरक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार ने केंद्र सरकार की 'राह-वीर योजना' को राजधानी में भी लागू करने का निर्णय लिया है। योजना के तहत सड़क दुर्घटनाओं में गंभीर रूप से घायलों की मदद करने वाले नागरिकों को 25 हजार रुपये की नकद पुरस्कार राशि और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने इस मानवीय पहल को प्रोत्साहन देने के लिए आर्थिक पुरस्कार की व्यवस्था की है ताकि आम नागरिक बिना किसी भय के दुर्घटना पीड़ितों की सहायता कर सकें और मानवता का परिचय दे सकें। केंद्र सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय का मानना है कि यदि ज्यादा से ज्यादा लोग आगे आकर मदद करेंगे।

अनुराग ठाकुर का राहुल गांधी पर हमला : बोले- विदेशी ताकतों के इशारे पर चल रही कांग्रेस, देश से माफी मांगें

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा के लोकसभा सांसद अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी देश-विरोधी और विदेशी ताकतों के कहने पर काम कर रहे हैं। ठाकुर का यह बयान हाल ही में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान हुए हंगामे के बाद आया है। मामले में कुछ दिन पहले नई दिल्ली के भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट हो रहा था, जिसमें देश विदेश की कई बड़ी हस्तियों और नेताओं ने हिस्सा लिया था। वहां यूथ कांग्रेस के सदस्यों ने घुसकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने बेरोजगारी, महंगाई और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते जैसे मुद्दों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार के खिलाफ नारे लगाए थे।

इस प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी देश की छवि खराब कर रहे हैं। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, राहुल गांधी देश-विरोधी ताकतों के प्रवक्ता बन गए हैं। वे भारत-विरोधी एजेंडा चलाते हैं और नकारात्मक राजनीति को बढ़ावा देते हैं। उनका एकमात्र काम झूठ बोलना, डर फैलाना, भारत को बदनाम करना और पीएम मोदी को गाली देना है। ठाकुर ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी भारत की आर्थिक उपलब्धियों को कम करके दिखाते हैं। उन्होंने कहा, जब भारत की अर्थव्यवस्था सबसे तेजी से बढ़ रही है, तो वे इसे मरी हुई बताते हैं। एआई समिट की दुनिया भर में तारीफ हो रही है, लेकिन वहां बेशर्मी से प्रदर्शन किया गया और अभद्र व्यवहार दिखाया गया।

भाजपा नेता ने उठाया गंभीर सवाल

भाजपा नेता ने सवाल उठाया कि क्या राहुल गांधी की राजनीति विदेशों से प्रभावित हो रही है। उन्होंने पूछा, क्या कांग्रेस अब अंकल सैम और जॉर्ज सोरोस के इशारे पर चल रही है? क्या वे भारत के दुश्मन देशों का समर्थन कर रहे हैं? उन्होंने राजीव गांधी फाउंडेशन का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस डोनेशन लेती है और फिर चीन की तारीफ करती है। ठाकुर ने तंज कसते हुए पूछा कि क्या राहुल लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं या भारत के ही विपक्ष के नेता हैं? अनुराग ठाकुर ने चार फरवरी को लोकसभा में हुई घटना की भी याद दिलाई।

देश से मांगे माफी

ठाकुर ने कहा भाजपा, पीएम मोदी और अब भारत का विरोध यह राहुल गांधी का एजेंडा बन गया है। वह भारत की संवैधानिक संस्थाओं और नागरिकों से नफरत करने लगे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का भारत-विरोधी प्रोपेगेंडा फेल हो गया है और आगे भी फेल होगा। अंत में उन्होंने मांग की कि राहुल गांधी को अपने व्यवहार के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए।

गौरव भाटिया ने भी राहुल गांधी पर हमला बोला

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने भी मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में मीडिया वार्ता कर कांग्रेस पर तीखा हमला किया। उन्होंने भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब की गिरफ्तारी पर कहा कि राहुल गांधी ने भारत को शर्मिंदा करने के लिए यह पूरी साजिश रची थी।

नकली मोहब्बत की दुकान

गौरव भाटिया ने कहा कि राहुल गांधी देश को शर्मिंदा करने की कोशिश में खुद बेनकाब होते जा रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी की नकली मोहब्बत की दुकान में केवल बेशर्मी का सामान है। उन्होंने कहा कि न तो भगत सिंह और न ही महात्मा गांधी ने कभी सोचा होगा कि कांग्रेस के कार्यकर्ता अपनी तुलना उनसे करेंगे। भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि जब एआई समिट के दौरान पूरी दुनिया की नजर भारत पर थी, तब राहुल गांधी के इशारे पर उदय भानु ने देश की छवि खराब करने वाली हरकत की। पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी के बाद कोर्ट से सात दिन की रिमांड मांगी थी।

मदद के लिए आएं आगे, दिल्ली घायलों को अस्पताल पहुंचाने वाले राह-वीरों को मिलेंगे 25000 रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने राजधानी में केंद्र सरकार की 'राह-वीर' योजना लागू करने का ऐलान किया है। अब सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल लोगों को 'गोल्डन ऑवर' के भीतर अस्पताल पहुंचाने वाले नागरिकों को 25 हजार रुपये की नकद पुरस्कार राशि और कानूनी संरक्षण मिलेगा।

सरकार का मानना है कि इस पहल से लोगों में मदद की भावना बढ़ेगी और हादसों में होने वाली मौतों को कम करने में मदद मिलेगी। रेखा गुप्ता ने कहा कि इस योजना का मुख्य मकसद आम जनता को सड़क दुर्घटना के पीड़ितों को 'गोल्डन ऑवर' के भीतर मेडिकल केयर उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अक्सर लोग कानूनी झंझट या पुलिस कार्रवाई के डर से मदद करने से बचते हैं, लेकिन यह योजना उस डर को दूर कर नागरिकों को आगे आने के लिए प्रोत्साहित करेगी। उन्होंने कहा कि मदद करने वाले को प्रोत्साहन राशि और कानूनी संरक्षण मिलने से अधिक लोग दुर्घटना पीड़ितों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने का साहस करेंगे, जिससे अनमोल जीवन बचाए जा सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार इस योजना को प्रभावी ढंग से लागू कर सड़क सुरक्षा और मानवीय संवेदनशीलता दोनों को मजबूत करेगी। मुख्यमंत्री के अनुसार केंद्र सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने निर्देश जारी कर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को योजना के प्रभावी तरीके से लागू करने के लिए मार्गदर्शन दिया है। इसके बाद दिल्ली सरकार ने इसे लागू करने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि यह योजना मोटर वाहन (संशोधन) अधिनियम, 2019 की धारा 134ए के तहत अधिसूचित गुड सेमेरिटन नियमों के अनुरूप तैयार की गई है। इन नियमों के तहत ऐसे नागरिकों को कानूनी संरक्षण प्रदान किया गया है जो किसी घायल, असहाय या संकटग्रस्त व्यक्ति की स्वेच्छा से सहायता करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना के तहत कोई भी व्यक्ति, जिसने किसी गंभीर सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को तत्काल सहायता दी हो और उसे गोल्डन ऑवर के भीतर अस्पताल या ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया हो, वह पुरस्कार के लिए पात्र होगा।

बंगाल में आचार संहिता लागू होने से पहले ही तैनात होगी CAPF, संवेदनशील इलाकों की पहचान करने का निर्देश

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में इस वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर चुनाव आयोग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। आयोग ने राज्य पुलिस को निर्देश दिया है कि वह जल्द से जल्द संवेदनशील इलाकों की पहचान करे। आयोग चाहता है कि यह काम मार्च के दूसरे सप्ताह तक पूरा हो जाए। इन इलाकों की पहचान के आधार पर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की तैनाती की योजना बनाई जाएगी। चुनाव से पहले ही सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की तैयारी शुरू कर दी गई है।

चुनाव आयोग ने साफ कर दिया है कि मतदान तिथियों की घोषणा और आचार संहिता लागू होने से पहले ही सीएपीएफ की तैनाती कर दी जाएगी। आयोग ने 480 कंपनियां भेजने का फैसला किया है। इनमें से 240 कंपनियां एक मार्च को और बाकी 240 कंपनियां 10 मार्च को तैनात की जाएंगी। इन बलों का उपयोग केवल बैठकर इंतजार करने के लिए नहीं, बल्कि इलाके में शुरुआती दबदबा बनाने के लिए किया जाएगा।

चुनाव से पहले सख्त सुरक्षा रणनीति

चुनाव आयोग का मानना है कि निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव के लिए पहले से सुरक्षा तंत्र मजबूत होना जरूरी है। इसलिए मतदान की घोषणा से पहले ही केंद्रीय बलों को मैदान में उतारा जा रहा है। जरूरत पड़ने पर इन कंपनियों की वापसी की सूचना बाद में दी जाएगी। आयोग का कहना है कि चुनाव प्रक्रिया की पवित्रता बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

संवेदनशील इलाकों की पहचान पर जोर

आयोग ने राज्य पुलिस से कहा है कि वह संवेदनशील और अति संवेदनशील क्षेत्रों की सूची जल्द तैयार करे। इन इलाकों में पिछले चुनावों में हिंसा या तनाव की घटनाएं सामने आई थीं। इन्हीं क्षेत्रों में केंद्रीय बलों की अधिक तैनाती की जाएगी। केंद्रीय पर्यवेक्षकों को भी इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी का जिम्मा दिया गया है। उन्हें रोजाना रिपोर्ट चुनाव आयोग को भेजनी होगी।

दो चरणों में होगी तैनाती

पहले चरण में एक मार्च को 240 कंपनियां तैनात होंगी। इनमें 110 कंपनियां सीआरपीएफ की, 55 BSF की, 21 सीआईएसएफ की, 27 आईटीबीपी की और 27 एसएसबी की होंगी। दूसरे चरण में 10 मार्च को 240 और कंपनियां भेजी जाएंगी। इनमें 120 कंपनियां सीआरपीएफ, 65 बीएसएफ, 16 सीआईएसएफ, 20 आईटीबीपी और 19 एसएसबी की होंगी। कुल मिलाकर 480 कंपनियां राज्य के अलग-अलग हिस्सों में तैनात रहेंगी।

समन्वय की जिम्मेदारी सीआरपीएफ को

आयोग ने स्पष्ट किया है कि बलों की आवाजाही और तैनाती का समन्वय सीआरपीएफ करेगी। राज्य सरकार को निर्देश दिया गया है कि वह केंद्रीय बलों और उनके समन्वय अधिकारियों के साथ मिलकर विस्तृत योजना तैयार करे। यह भी तय किया गया है कि बलों को खाली नहीं बैठाया जाएगा, बल्कि क्षेत्र में फ्लैग मार्च और एरिया डोमिनेशन कराया जाएगा।

एलओसी के पास डॉलर, पाकिस्तानी नोट और क्यूआरकोड के साथ मिले संदिग्ध गुब्बारे, पुलिस गहन जांच में जुटी

अखनूर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (रुशष्ट) के पास एक बार फिर पाकिस्तान की तरफ से संदिग्ध गतिविधियां देखने को मिली हैं। अखनूर सेक्टर में सीमा के नजदीक दो संदिग्ध गुब्बारे बरामद किए गए हैं, जिनके साथ अमेरिका और पाकिस्तान की करंसी चिपकी हुई मिली है। इस घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियां और जम्मू-कश्मीर पुलिस पूरी तरह से अलर्ट हो गई हैं और इलाके में गहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, ये गुब्बारे खोर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले गुनारा गांव के सीमावर्ती इलाके में मिले हैं। सफेद और लाल रंग के ये गुब्बारे बिल्कुल हवाई जहाज के आकार के हैं और इन पर पाकिस्तान से जुड़ी मार्किंग भी की गई है। सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि इन गुब्बारों के साथ पांच हजार रुपये का एक पाकिस्तानी नोट, एक अमेरिकी डॉलर, एक पाकिस्तानी मोबाइल नंबर और एक क्यूआर (क्तक्र) कोड या स्कैनर जैसी छपी हुई तस्वीर भी बांधी गई थी। सीमा पार से आए इन गुब्बारों ने सुरक्षाबलों की चिंता इसलिए भी बढ़ा दी है क्योंकि महज एक दिन पहले ही किश्तवाड़ में एक बड़ी मुठभेड़ हुई थी। इस एनकाउंटर में सुरक्षाबलों ने जैश-ए-मोहम्मद के खतरनाक कमांडर सैफुल्लाह समेत तीन आतंकियों को मार गिराया था। आतंकियों के सफाए के तुरंत बाद अंतरराष्ट्रीय सीमा के इतने करीब इस तरह की संदिग्ध सामग्री का मिलना किसी नई साजिश की तरफ इशारा कर रहा है।

युवती के हाथ में था धागा और युवक लगाए थे टोपी, ऑटो में जबरन बैठाने पर खुला राज; आगरा में मिली शाहजहांपुर से गायब लड़की

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। शाहजहांपुर के तिलहर थाना क्षेत्र की रहने वाली 21 वर्षीय हिंदू युवती की इंटरनेट मीडिया पर फिरोजाबाद के सलमान से दोस्ती हो गई। सलमान के बहकाने पर घर छोड़कर आई युवती को मंगलवार सुबह ट्रांस यमुना थाना क्षेत्र में बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने पकड़ लिया।

सलमान के दो रिश्तेदार युवती को ऑटो में अपने साथ ले जाने का दबाव बना रहे थे। जिससे वहां मौजूद लोगों को शक हुआ, उन्होंने वीडियो बनाने के साथ ही बजरंग दल को इसकी सूचना दे दी। लोगों को जुटता देख रिश्तेदार युवक वहां से भाग गए। बजरंग दल के पदाधिकारी युवती और सलमान को लेकर ट्रांस यमुना थाने पहुंच गए।

युवती की तलाश में जुटे स्वजन भी थाने आ गए। पिता ने बताया कि बेटी 21 फरवरी की सुबह घर से परीक्षा देने निकली थी।जिसके बाद से गायब थी। स्वजन ने उसकी गुमशुदगी दर्ज करा रखी थी।

छात्रा को ऑटो में बैठने का दबाव बना रहे थे रिश्तेदार, लोगों को हुआ शक

घटना मंगलवार सुबह 8:30 बजे की है। आंबेडकर पार्क के पास सौ फुटा पर तीन युवक एक युवती को ऑटो में बैठने का दबाव बना रहे थे। युवती के हाथ में धागा बंधा हुआ था, जबकि दोनों युवक टोपी लगाए थे। युवती ऑटो में बैठने से झिझक रही थी, जिससे वहां आसपास के लोगों को शक हुआ। उन्होंने इसकी वीडियो बना ली, लोगों को आता देख दो युवक वहां से भाग गए। बजरंग दल कार्यकर्ता युवती और युवक को लेकर थाने पहुंचे।

पूछताछ में पता चला कि युवती शाहजहांपुर के तिलहर थाना क्षेत्र की रहने वाली है, जबकि युवक सलमान फिरोजाबाद के जसराना थाना क्षेत्र का रहने वाला है। दोनों में इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से संपर्क हुआ था। युवती से बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने उसके स्वजन का मोबाइल नंबर लेकर संपर्क किया तो पिता भी थाने पहुंच गया।

शाहजहांपुर के थाने में दर्ज थी छात्रा की गुमशुदगी

पिता ने बताया कि बेटी 21 फरवरी की सुबह बीए की परीक्षा देने की कहकर घर से निकली थी। जिसके बाद वह नहीं लौटी तो गुमशुदगी दर्ज करा उसकी तलाश शुरू कर दी। युवती की सहेलियों से जानकारी करने पर फिरोजाबाद के सलमान का पता चला। स्वजन उसे फिरोजाबाद में तलाश रहे थे।

ट्रांस यमुना थाना प्रभारी हरेंद्र सिंह ने बताया कि युवती की गुमशुदगी शाहजहांपुर में दर्ज है। लड़का-लड़की दोनों को तिलहर पुलिस के सिपुर्द किया जा रहा है। कार्यकर्ताओ में जिला संयोजक अनिल शर्मा, शैलू जाट, हिमांशु, सचिन, विष्णु, विनोद, प्रमोद, कुलदीप सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

ई-रिक्शा, दो व चार चक्का वाहनों की प्रतिदिन नगरीय क्षेत्र में होगी गहन जांच- टीएसआई

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। पुलिस अधीक्षक चारू निगम के निर्देश के क्रम व अपर पुलिस अधीक्षक अखंड प्रताप सिंह तथा क्षेत्राधिकारी यातायात सुनील कुमार सिंह के नेतृत्व में निरीक्षक यातायात राम निरंजन द्वारा रोडवेज़ स्थित लगाई गई दो व चार चक्का वाहनों की जांच,भागते नज़र आए वाहन चालक, लाइसेंसर,हेल्मेट, काली फिल्म,वाहन के कागज़ात की कर रहे पड़ताल, जांच में आधे-अधूरे कागज़ात वालों का काटा जा रहा चालान, साथ ही भविष्य में यात्रा पर निकलने से पहले संपूर्ण कागज़ात व यातायात नियमों के पालन की दिलाई जा रही शपथ,

यातायात निरीक्षक राम निरंजन ने बताया की नियम विरूद्ध चलने वाले वाहन चालकों को किसी भी दशा में बख्शा नही जाएगा,यातायात निरीक्षक ने बताया की मांडीफाई साइलेंसर व हूटर पर विशेष कार्यवाही की जाएगी,सब्जीमंडी मार्ग पर सुगम यातायात में बाधा उत्पन्न करने वाले ठेले खोमचे पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। राम निरंजन ने बताया की नगरीय क्षेत्र व बाईपास/हाइ-वे तथा होटल/ढाबे पर खड़े होने वाले वाहन आवागमन को बाधित न करें,यातायात नियमों का पालन करें,पुलिस का सहयोग करें, पुलिस आपकी सुरक्षा में खड़ी है।

अवैध शराब के कारोबारियों के विरुद्ध आबकारी विभाग का चला हंटर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। आबकारी आयुक्त के आदेशानुसार चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के अनुपालन में जिलाधिकारी सुल्तानपुर एवं उप आबकारी आयुक्त अयोध्या प्रभार के निर्देशानुसार, जिला आबकारी अधिकारी एवं उपजिलाधिकारी सदर , क्षेत्राधिकारी सदर के निर्देशन में रण विजय सिंह आबकारी निरीक्षक के द्वारा सोमवार को मय स्टाफ साकेत राय प्र.आ.सि,अंकित शर्मा आ.सि,राजीव शुक्ला आ.सि.ओमवीर आ सि,इरफान आ सि व कोतवाली नगर की संयुक्त टीम द्वारा ग्राम चुनहा व ग्राम तिवारी का पुरवा में दबिश दी गई। मौके पर 03 अभियोग पंजीकृत करते हुए 45लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई। तथा लहन करीब 850 किलो बरामद की गई जिसे मौके पर नष्ट किया गया।क्षेत्र में संचालित आबकारी दुकानों का निरीक्षण किया गया । दुकान पर संचित स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया गया तथा गुप्त रूप से दुकानों पर टेस्ट परचेज कराया गया । आर ओ प्लांट व कबाड़ियों की दुकान तथा ईंट के भट्ठों की गहनता से चेकिंग की गई । ग्राम वासियों को अवैध शराब से होने वाली हानियो के बारे में जागरूक किया गया।आबकारी निरीक्षक रणविजय सिंह ने छापेमारी के दौरान मौजूद ग्रामीणों से सहयोग की अपील करते हुए कहाकि यदि आपकी जानकारी में आपके आसपास अवैध शराब निर्मित की जा रही है, या बिक्री हो रही है तो सूचित करें आपकी पहचान गुप्त रखी जाएगी, उन्होनें कहाकि अवैध अड्डी से निर्मित शराब के सेवन से शरीर पर दुष्भाव पड़ते हैं, साथ ही यह जान लेवा भी हो सकती है।

आग से छह की मौत : एकसाथ उठे चार जनाजे, रात में ही दफना दी थीं जुड़वां बच्चियां, गूंजती रही चीत्कार, छलके आंसू

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। कपड़ा कारोबारी इकबाल के मकान में आग लगने की घटना के बाद दो जुड़वां बच्चियों के शव रात को ही दफना दिए गए। रुखसार और तीन बच्चों के शवों को मंगलवार को दफनाया गया। रमजान के महीने में एक साथ एक ही परिवार के चार शव उठाए गए। जनाजे में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। चार शव एक साथ देखकर लोगों की आंखें नम हो गईं और महिलाओं के आंसू छलक गए।

लोगों ने बताया कि हादसे के वक्त इकबाल अहमद और उनके दोनों बेटे आसिम व फारूक तरावीह की नमाज पढ़ने के लिए मस्जिद गए हुए थे। इसके अलावा मोहल्ले के भी अधिकांश पुरुष नमाज पढ़ने गए थे। इकबाल के घर पर घर पर इकबाल की पत्नी अमीर बानो, बेटा आसिम, उसकी पत्नी रुखसार, उनका 3 वर्षीय बेटा अकदस, 6 माह की जुड़वां बेटियां नबिया व इनायत और फारूक

की बेटी महविश व बेटा हम्माद मौजूद थे। रात करीब 8:15 बजे अचानक घर में आग लग गई। देखते ही देखते लपटें विकराल हो गईं और पूरी इमारत धुएं के गुबार से भर गई।

पड़ोसियों के साहस से बची परिवार के अन्य सदस्यों की जान

हादसे के दौरान फारूक और उनके भाई डॉ. अरशद की पत्नी नजमा व उनके बच्चे भी मकान में फंस गए थे। बच्चों के चीखने चिल्लाने की आवाज सुनकर पड़ोसी एकत्रित हुए। उन्होंने नाजिश, नजमा और उनके बच्चे शहरीश आदि को सामने रहने वाले पड़ोसी की छत के रास्ते जाकर बचा लिया।

कमरे में फंसी रुखसार और बच्चों को दमकलकर्मियों ने लोगों की मदद से निकाला। पड़ोसियों का कहना है कि मकान में फंसी फारूक और डॉक्टर अरशद की पत्नी व उनके दो बच्चे दूसरी मंजिल की छत पर आकर चिल्ला रहे थे। इसलिए पड़ोस के लोगों ने सबसे पहले उन्हें सामने वाले मकान की छत पर उतारा।

रुखसार और अन्य बच्चे कमरे में थे। आग और धुएं के कारण पड़ोसी वहां तक नहीं पहुंच सके। दमकल कर्मियों ने पहले पड़ोसियों के एक कमरे की दीवार तोड़ी और फिर दरवाजे के रास्ते अंदर दाखिल हुए। इसके बाद लोगों की मदद से दमकल कर्मियों ने रुखसार और पांचों बच्चों को निकाला। गली संकरी और भीड़ जमा हो जाने के कारण लोग पैदल ही बच्चों को लेकर पास स्थित राजधानी अस्पताल लेकर पहुंचे। यह अस्पताल इकबाल के बेटे डॉ. अरशद के रिश्तेदार का बताया जा रहा है और उनकी इसमें हिस्सेदारी भी बताई गई है।

ये है मृतक

रुखसार (30 वर्ष) पत्नी आसिम

अकदस (3 वर्ष) पुत्र आसिम

नबिया (6 माह) पुत्री आसिम (जुड़वां)

इनायत (6 माह) पुत्री आसिम (जुड़वां)

महविश (12 वर्ष) पुत्री फारूक

हम्माद (4 वर्ष) पुत्र फारूक

जालौन में रिश्वत लेने के मामले में जेल भेजे जा चुके रेलवे अफसर समेत दो बर्खास्त, उत्तर मध्य रेलवे ने की कार्रवाई

आर्यावर्त संवाददाता

उरई। सीबीआई द्वारा ऑपरेटर से 20 हजार रुपये रिश्वत लेने के मामले में गुरुवार रात पकड़कर जेल भेजे गए रेलवे के सीनियर सेक्शन इंजीनियर व टेक्नीशियन को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है।

सीबीआई टीम ने बीते गुरुवार की रात कानपुर-झांसी रेलमार्ग पर कानपुर देहात में लालपुर रेलवे स्टेशन पर कर्षण विभाग में तैनात ऑपरेटर सिद्धार्थ गौतम से 20 हजार रुपये रिश्वत लेते सीनियर सेक्शन इंजीनियर (ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन) भगवान सिंह पाल को गिरफ्तार किया था।

इसके बाद भगवान सिंह की चित्रकूट में मौजूद डिवीजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर शांतनु यादव व टेक्नीशियन प्रकाश कुशवाहा से बात कराई थी। फोन पर बातचीत के दौरान उन्होंने भी रुपये लेने के साथ आगे भी देते रहने की बात कही थी। इससे पुष्टि हुई कि वह भी रिश्वत लेने में शामिल हैं।

चित्रकूट में मौजूद सीबीआई टीम के दोनों को पकड़ लिया था। तीनों को लखनऊ ले जाकर मुकदमा दर्ज कराने के बाद जेल भेजा गया था। इसमें तीनों को निलंबित किया गया था।

सोमवार को भगवान सिंह पाल और प्रकाश कुशवाहा को सेवा से निष्कासित कर दिया गया। उत्तर मध्य रेलवे के झांसी मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि भगवान सिंह व प्रकाश कुशवाहा को सेवा से निष्कासित कर दिया गया है।

ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

आर्यावर्त संवाददाता

मोतिगरपुर, सुल्तानपुर। शाहपुर लपटा स्थित खेल मैदान में मेरा युवा भारत सुल्तानपुर (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार) के द्वारा खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें एथलेटिक्स,कबड्डी वॉलीवाल आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। महिला एंव पुरुष वर्ग के उत्कृष्ट खिलाड़ियों को मैडल, शील्ड व स्पोर्ट्स किट देकर पुरस्कृत किया गया।

प्रतियोगिता में बालक की 800 मीटर दौड़ में अहिरौली के अमन चौबे प्रथम, लामा बनकठा के प्रदीप कुमार द्वितीय व लामा के ही अनुराग यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं बालिकाओं के कबड्ड़ी टीम में एस.एन.पब्लिक स्कूल की टीम ने प्रथम व द्वितीय शाहपुर लपटा स्थान प्राप्त किया। 100 मीटर दौड़ में रीता कुमारी प्रथम, अनामिका द्वितीय व आकृति ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 100 मीटर बालक वर्ग में अविनाश प्रथम, चन्द्रशेखर द्वितीय व अंकित ने तीसरा स्थान हासिल किया। वालीबाल में चौहानपुर की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विजेता बनी। वहीं डींगुरपुर बनकेगांव टीम उपविजेता रहीं। कबड्डी बालक वर्ग के फाइनल मुकाबले में शाहपुर लपटा बिजेता व एस. एन. पब्लिक स्कूल उपविजेता रहीं। प्रतियोगिता के विजेताओं को नेहरू युवा केन्द्र के पूर्व एनवाईवी भाजपा नेता अंकित मिश्र ने मैडल, शील्ड व स्पोर्ट्स किट देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में सचिन तिवारी,अंकुर मिश्र,फूलराज सिंह,मोहन निषाद, शेषकुमारी पाण्डेय, प्रीति सिंह,सृष्टि सिंह, मीनाक्षी सिंह आदि उपस्थित रहीं।

काशी में मसाने की होली पर इस बार संकट के बादल, डोमराजा परिवार भी आया आयोजन के वरोिध में

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

वाराणसी। मसाने की होली खेलने वाले ना तो दगिंबर के भाव में नजर आते हैं और ना ही वह भूत पशिाच ही होते हैं। नई परंपरा जो कुछ वर्ष पूर्व डाली गई वह इस बार लग रहा है कि वरोिध की भेंट चढ़ जाएगी। वैसे तो काशी में मान्यता है कि जीव को मसान की होली शिव बना देती है। लेकनि इन भावों के बीच काशी वद्वित परषिद के साथ ही अन्य संस्थाएं और खुद डोमराजा परवािर भी वरोिध में आ गया है।

जीवन और मृत्यु को समान भाव से स्वीकार करने वाली काशी में देवस्थान और महाश्मशान का महात्म्य एक समान माना जाता है। 27 फरवरी को रंगभरी एकादशी है। इसके अगले दिन फाल्गुन शुक्ल द्वादशी को मणिकर्णिका घाट पर पारंपरिक 'मसान की होली' खेली जाती है। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव भस्मांगरागाय महेश्वर रूप में अपने गणों के साथ चिता भस्म से फाग रचाते हैं।

दोपहर के समय महाश्मशान में राग-रागिनियों के बीच भस्म की होली का अनोखा दृश्य देखने को मिलता है। इसमें काशी ही नहीं, देश-विदेश से आए श्रद्धालु और पर्यटक शामिल होते हैं। भक्त अपने इष्ट के साथ भस्म की होली खेलकर स्वयं को शिवमय अनुभव करते हैं। पौराणिक कथा के अनुसार, विवाह के समय भगवान शिव अपने गणों को गौने की बरात में साथ नहीं ले गए थे। इससे गणों के मन में टीस रह गई। उसे दूर करने के लिए उन्होंने मणिकर्णिका पर गणों के साथ चिता भस्म की होली खेली। इसी परंपरा को मसाननाथ महादेव मंदिर के व्यवस्थापक गुलशन कपूर ने 2009 में प्रारंभ किया। तब से यह आयोजन हर वर्ष भव्य होता जा रहा है।

इस वर्ष मसान की होली पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। कुछ शास्त्रज्ञ इसे अशास्त्रीय मानते हैं, लेकिन काशीवासियों की आस्था और उत्साह ने मसान की होली को विश्वस्तरीय पहचान दिला दी है। डोमराजा परिवार ने भी इस परंपरा पर रोक लगाने की बात कही है, जिससे स्थानीय समुदाय में चिंता और विरोध के स्वर उठने लगे हैं। डोमराजा परिवार का कहना है कि यह आयोजन धार्मिक मान्यताओं के खिलाफ है और इसे रोकना चाहिए। दूसरी ओर, काशी के भक्त और श्रद्धालु इस परंपरा को अपने सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा मानते हैं। उनका मानना है कि मसान की होली न केवल शिव की आराधना का एक तरीका है, बल्कि यह जीवन और मृत्यु के चक्र को स्वीकार करने का भी प्रतीक है।

इस विवाद ने काशी में मसान की होली के आयोजन को लेकर नई बहस छेड़ दी है। भक्तों का कहना है कि इस परंपरा को रोकने का प्रयास काशी की सांस्कृतिक पहचान को कमजोर करेगा। वहीं, डोमराजा परिवार के समर्थक इसे धार्मिक अनुशासन के रूप में देख रहे हैं। बताया कि यह परंपरा अनुचति है। ऐसे में काशी में इस बार चति‌ा भस्म की होली का दौर होगा भी कि नहीं और वरोिध के स्वर कतिने ऊंचे होंगे यह चर्चा का वषिय बना हुआ है।

मसान की होली का आयोजन इस वर्ष विवादों में घिर गया है। इस वर्ष की मसान की होली का आयोजन न केवल काशी के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए एक महत्वपूर्ण विषय बन गया है। सभी की नजरें इस परंपरा के भविष्य पर टिकी हुई हैं। क्या यह आयोजन अपनी परंपरा को बनाए रख पाएगा, या इसे रोकने की कोशिशें सफल होंगी, यह देखना दिलचस्प होगा। हालांकि चर्चा और आरोप प्रत्यारोप का दौर काफी पर्यटकों को भी असमंजस में डाले हुए है।

72 किलोमीटर, 22 स्टेशन : दिल्ली-मेरठ के बाद अब गाजियाबाद से नोएडा एयरपोर्ट तक दौड़ेगी 'नमो भारत', सिर्फ इतने मिनट में पूरा होगा सफर

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ कॉरिडोर पर नमो भारत ट्रेन शुरू होने के बाद अब नोएडा एयरपोर्ट के रूट पर भी तेजी से काम शुरू होगा। गाजियाबाद से नोएडा एयरपोर्ट तक नमो भारत ट्रेन चलाई जानी है। इसकी डीपीआर भी केंद्र सरकार के पास है। वहीं इस गाजियाबाद से नोएडा एयरपोर्ट के बीच रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) के 11 स्टेशन बनेंगे। एनएसआरटीसी के अधिकारी ने यह जानकारी दी।

एनएसआरटीसी के अधिकारी ने बताया कि गाजियाबाद से जेवर तक बनने वाले कॉरिडोर की लंबाई 72।44 किलोमीटर होगी। जिसके निर्माण में करीब 20637 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसमें रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) के 11 स्टेशन बनेंगे, जो पहले से ही

प्रस्तावित हैं। एनसीआरटीसी गाजियाबाद से जेवर कॉरिडोर की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) शासन को भेजी जा चुकी है।

केंद्र सरकरा से मंजूरी मिलने के बाद इस रूट पर भी तेजी काम शुरू होगा, जिससे नमो भारत ट्रेन के संचालन से लोगों को आने-जाने में सुविधा मिलेगी। योजना पर तेजी का करने के लिए राज्य सरकार ने डीपीआर को मंजूरी के लिए केंद्र सरकार को भेजा है।

एनएसआरटीसी के अधिकारियों ने क्या कहा?

एनएसआरटीसी के अधिकारी ने बताया कि वहीं नमो भारत ट्रेन का परिचालन सरायं काले खां से मेरठ तक शुरू पर एनएसआरटीसी के अधिकारी ने कहा कि अब नोएडा एयरपोर्ट कॉरिडोर की योजना पर नमो भारत ट्रेन के जल्दी शुरू होने की उम्मीद है। इस परियोजना के पूरा होने के बाद गाजियाबाद से नोएडा एयरपोर्ट तक जाने-जाने की बेहतर व्यवस्था होगी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना पर काम शुरू होगा है। केंद्र से मंजूरी मिलने के बाद ये तेज गति पूरा किया जाएगा।

कॉरिडोर की लंबाई 72.44 किलोमीटर होगी

अनुमानित लागत लगभग ₹20,360 करोड़ से ₹20,637 करोड़ बताई जा रही है।

कुल 22 स्टेशन होंगे, जिनमें से 11 RRTS स्टेशन और बाकी मेट्रो/एकीकृत होंगे। इसमें 1.1 किमी का अंडरग्राउंड हिस्सा एयरपोर्ट क्षेत्र में होगा।

कितना होगा फायदा?

गाजियाबाद से नोएडा एयरपोर्ट तक यात्रा समय काफी कम हो जाएगा।

दिल्ली एयरपोर्ट से जेवर तक 60-70 मिनट में पहुंच संभव हो सकेगी ।

दिल्ली-मेरठ RRTS से सीधा कनेक्शन मिलेगा, जिससे NCR में बेहतर मूवमेंट होगा।

रियल एस्टेट और इंडस्ट्रियल ग्रोथ को बड़ा बूस्ट, खासकर यमुना एक्सप्रेसवे बेल्ट के लिए सही रहेगा।

कौन-कौन से स्टेशन होंगे

नोएडा मेट्रो की एक्वा लाइन से इसका एकीकरण किया जाएगा और इसे गाजियाबाद स्टेशन से जोड़ा जाएगा। इसमें गाजियाबाद, गाजियाबाद साउथ, ग्रेटर नोएडा सेक्टर-2, ग्रेटर नोएडा सेक्टर-12, सूरजपुर, अल्फा-प्रथम, इकोटेक-छह, दनकौर, यीडा नार्थ सेक्टर-18, यीडा सेंट्रल सेक्टर-21 और नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट स्टेशन होंगे, जो पहले से प्रस्तावित हैं। वहीं इस रूट पर कुल स्टेशन की बात की जाए तो इस पर 25 स्टेशन होंगे। इनमें 11 स्टेशन आरआरटीएस के होंगे। शेष स्टेशन मेट्रो के होंगे।

फार्मेसी कॉलेज में वित्तीय शिक्षा कार्यशाला का समापन

आर्यावर्त संवाददाता

कूरेभार/सुल्तानपुर। जामोली स्थित स्पेक्ट्रम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के तत्वाधान में संचालित स्पेक्ट्रम हाई फार्मेसी कॉलेज में "युवा नागरिकों के लिए वित्तीय शिक्षा" विषय पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक समापन हो गया। 22 फरवरी से 24 फरवरी तक चली इस कार्यशाला में विद्यार्थियों को वित्तीय साक्षरता से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी गई। कार्यशाला का संचालन सेबी (SEBI) से संबद्ध प्रशिक्षक डॉ. अर्चना शुक्ला द्वारा किया गया। कार्यक्रम का आयोजन आदित्य बिरला कैपिटल फाउंडेशन की सीएसआर पहल के अंतर्गत नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटीज मार्केट्स (NISM) के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम के दौरान निवेश का महत्व, प्राथमिक एवं द्वितीयक

बाजार की कार्यप्रणाली, म्यूचुअल फंड की बारीकियां तथा प्रतिभूति बाजार में करियर के अवसरों जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य युवाओं में वित्तीय जागरूकता बढ़ाना और उन्हें भविष्य में सही वित्तीय निर्णय लेने के लिए सक्षम बनाना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस अवसर पर स्पेक्ट्रम ग्रुप के चेयरमैन आनन्द सावरण, एचआर मैनेजर अनूप मिश्र, ज्योति शर्मा, फार्मेसी प्रिंसिपल विवेक वर्मा, मनोज गुप्ता, राम बहादुर सिंह, अभिषेक पांडेय, अश्वनी मिश्रा, अदा पांडेय सहित संस्थान के शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों ने विशेषज्ञ से वित्तीय विषयों से जुड़े प्रश्न पूछे, जिनका संतोषजनक समाधान किया गया। आयोजन में छात्रों और शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी रही। संस्थान प्रबंधन ने बताया कि स्पेक्ट्रम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के अंतर्गत फार्मेसी कॉलेज के साथ-साथ सीबीएसई बोर्ड से संचालित इंटरमीडिएट कॉलेज, आईटीआई, तीन वर्षीय लॉ कॉलेज तथा डी.एल.एड. (डीएड) पाठ्यक्रम भी संचालित किए जा रहे हैं। यह पहल युवाओं को वित्तीय रूप से जागरूक एवं सशक्त बनाने की दिशा में आदित्य बिरला कैपिटल फाउंडेशन एवं NISM की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

यूपी सरकार की सौगात: होली पर 28 फरवरी से नौ मार्च तक चलेंगी अतिरिक्त बसें

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। योगी सरकार ने होली पर्व पर यात्रियों की सुगम और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए विशेष व्यवस्था की है। इसके तहत 28 फरवरी से नौ मार्च तक अतिरिक्त बसों का संचालन किया जाएगा । इसके साथ ही, उत्कृष्ट कर्मचारियों को 3600 से 4500 रुपये तक प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने कहा कि दिल्ली एवं गाजियाबाद सहित पश्चिमी उत्तर प्रदेश से यात्रा का दबाव अधिक रहता है। इसलिए इन क्षेत्रों में बसों और कर्मचारियों की पर्याप्त संख्या पहले से सुनिश्चित की जाएगी। यदि प्रारंभिक प्वाइंट से 60 प्रतिशत यात्री लोड मिलता है तो प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी अतिरिक्त बसें चलाई जाएंगी। उन्होंने निर्देश दिए कि शत-प्रतिशत निगम बसों को ऑनरोड रखा जाए और अनुबंधित बसों के कर्मियों को पर्व अवधि में अवकाश न दिया जाए। वाहन स्वामी समय से मरम्मत कार्य पूर्ण कर बसें संचालन हेतु उपलब्ध कराएं।

सुरक्षा और गुणवत्ता पर विशेष जोर

योगी सरकार ने यात्रा के दौरान सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। जाम या दुर्घटना की स्थिति को काबू कर संचालन सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। प्रवर्तन दल लगातार ड्यूटी पर रहेंगे तथा चालकों और परिचालकों का ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट किया जाएगा। बसों की तकनीकी स्थिति दुरुस्त रहे, सीटें ठीक हों, खिड़कियों के शीशे सही हों और फायर सेफ्टी उपकरण उपलब्ध हों, यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। बस स्टेशनों और बसों में स्वच्छता व्यवस्था भी सुदृढ़ रखने को कहा गया है।

कर्मचारियों के लिए विशेष प्रोत्साहन योजना

पर्व अवधि में उत्कृष्ट कार्य करने वाले चालक-परिचालकों (संविदा एवं आउटसोर्सिंग सहित) को विशेष प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। प्रतिदिन औसतन 300 किमी संचालन करने पर 360 रुपये प्रतिदिन की दर से 3600 रुपये मिलेंगे । 10 दिन की पूर्ण ड्यूटी और निर्धारित मानक पूरा करने पर 450 रुपये प्रतिदिन की दर से 4500 रुपये और निर्धारित मानक से अधिक किलोमीटर पर प्रति किमी 55 पैसे अतिरिक्त मानदेय प्रदान किया जाएगा। डिपो एवं क्षेत्रीय कार्यशालाओं में कार्यरत कर्मचारियों को भी 10 दिन लगातार ड्यूटी पर 2100 रुपये तथा नौ दिन की ड्यूटी पर 1800 रुपये एकमुश्त दिए जाएंगे।

उत्कृष्ट प्रदर्शन पर अतिरिक्त सम्मान

प्रोत्साहन अवधि में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों एवं अधिकारियों को क्षेत्रीय समिति की संस्तुति पर अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। सर्वाधिक आय प्रति बस प्राप्त करने वाले तीन क्षेत्रों के क्षेत्रीय प्रबंधकों एवं सेवा प्रबंधकों तथा 10 डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे।

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए . के . शर्मा ने शहरी योजनाओं की समीक्षा कर समयबद्ध क्रियान्वयन के दिए निर्देश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने संगम सभागार, लखनऊ में नगर विकास विभाग की विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी परियोजनाएं प्राथमिकता, पारदर्शिता और निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण की जाएं। उन्होंने कहा कि शहरी विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए और किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।बैठक में मंत्री ने विशेष रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) की प्रगति की गहन समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पात्र लाभार्थियों को समय से आवास उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। लंबित आवासों का निर्माण शीघ्र पूरा किया जाए तथा जिन लाभार्थियों की किस्तें लंबित हैं, उनका भुगतान तत्काल सुनिश्चित किया जाए। साथ ही अपात्र व्यक्तियों को सूची से हटाकर वास्तविक पात्रों को जोड़ा जाए और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए नियमित भौतिक सत्यापन कराया जाए।मंत्री ने निर्देश दिया कि जिन जनपदों में सत्यापन कार्य लंबित है, वहां जिलाधिकारियों से समन्वय स्थापित कर प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि यह योजना गरीबों के सम्मान, सुरक्षा और बेहतर जीवन की आधारशिला है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए।समीक्षा के दौरान आकांक्षी नगर योजना, सीएम ग्रिड योजना, कान्हा गौशाला योजना एवं सीएम वैश्विक नगरोदय योजना की प्रगति पर भी चर्चा की गई। मंत्री ने कहा कि चयनित नगरों में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ किया जाए, शहरी अधोसंरचना को आधुनिक तकनीक से जोड़ा जाए, गौवंश संरक्षण की व्यवस्थाएं सुदृढ़ हों और शहरों को वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित किया जाए।

होली पर्व पर 28 फरवरी से 9 मार्च तक अतिरिक्त बसों का संचालन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने होली पर्व को देखते हुए प्रदेश में अतिरिक्त बसों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि होली के अवसर पर प्रदेश एवं देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में लोग अपने घरों को लौटते हैं, ऐसे में 28 फरवरी से 9 मार्च, 2026 तक विशेष प्रबंध किए जाएं ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।उन्होंने विशेष रूप से गाजियाबाद, दिल्ली एवं पश्चिमी क्षेत्रों से होने वाली अधिक यात्रा को ध्यान में रखते हुए वहां बसों और कर्मचारियों की संख्या आवश्यकता के अनुसार बढ़ाने के निर्देश दिए। यदि प्रारंभिक प्वाइंट से 60 प्रतिशत यात्री लोड प्राप्त होता है तो पूर्वी क्षेत्र के अधिकारी अतिरिक्त सेवाओं का संचालन सुनिश्चित करें। उन्होंने शत-प्रतिशत निगम बसों को ऑनरोड रखने तथा अनुबंधित बसों को अवकाश न देने के निर्देश भी दिए। वाहन स्वामियों से कहा गया है कि वे समय से मरम्मत कराकर बसें संचालन के लिए उपलब्ध कराएं।परिवहन मंत्री ने जाम या दुर्घटना की स्थिति में अवरुद्ध संचालन को शीघ्र सामान्य करने की तैयारी रखने को कहा है। प्रवर्तन दलों को निरंतर ड्यूटी पर तैनात रहने तथा चालकों और परिचालकों की ब्रेथ एनलाइजर जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि यात्रियों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित हो सके। बसों में सभी आवश्यक कल-पुर्जों की स्थिति दुरुस्त रहे, खिड़कियों के शीशे सही हों, सीटें ठीक हों तथा फायर सेफ्टी उपकरण उपलब्ध हों। बस स्टेशनों और बसों में साफ-सफाई की उत्तम व्यवस्था बनाए रखने पर भी विशेष जोर दिया गया है।पर्व अवधि के लिए विशेष प्रोत्साहन योजना भी लागू की गई है। संविदा एवं आउटसोर्सिंग चालक-परिचालकों को औसतन 300 किलोमीटर प्रतिदिन संचालन करने पर 360 रुपये प्रतिदिन की दर से अधिकतम 3600 रुपये की विशेष प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। यदि कोई कार्मिक 10 दिन की पूरी अवधि तक निर्धारित मानक के अनुसार ड्यूटी करता है तो उसे 450 रुपये प्रतिदिन की दर से 4500 रुपये दिए जाएंगे। निर्धारित मानक से अधिक किलोमीटर संचालन करने पर प्रति अतिरिक्त किलोमीटर 55 पैसे का अतिरिक्त मानदेय भी दिया जाएगा।इसके अतिरिक्त डिपो एवं क्षेत्रीय कार्यशालाओं में कार्यरत कार्मिकों, जिनमें आउटसोर्स कर्मी भी शामिल हैं, को 10 दिन लगातार ड्यूटी करने पर 2100 रुपये तथा 9 दिन ड्यूटी करने पर 1800 रुपये की एकमुश्त राशि प्रदान की जाएगी।

शंकराचार्य के कथन का हवाला देते हुए भाजपा पर हमला, नैतिकता ही नेतृत्व की पहचान: अखिलेश यादव

लखनऊ। अखिलेश यादव ने कहा है कि शारदा पीठ के पूज्य शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती के यह शब्द कि "नेता वही जिसमें नीति हो और नीति उसी में होती है, जिसमें नैतिकता होती है" सभी के लिए मार्गदर्शक हैं। उन्होंने कहा कि यह कथन सार्वजनिक जीवन में आचरण और मूल्यों की महत्ता को स्पष्ट करता है।अखिलेश यादव ने कहा कि संतों और आध्यात्मिक गुरुओं की वाणी समाज को दिशा देती है। उनका कहना था कि अहंकार और धर्म के संघर्ष की चर्चा हमारे महाकाव्यों में भी मिलती है और इतिहास साक्षी है कि अहंकार का अंत निश्चित होता है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति अहंकार में डूबा हो, वह सनातन मूल्यों का सच्चा अनुयायी नहीं हो सकता।समाजवादी पार्टी अध्यक्ष ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि संतों के सम्मान और नैतिक मूल्यों की रक्षा करना समाज और राजनीति दोनों की जिम्मेदारी है।

न्यूरेम्बर्ग में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने निवेश अवसरों को किया प्रस्तुत, जर्मनी के साथ सहयोग बढ़ाने पर जोर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। जर्मनी लखनऊ ।उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपनी जर्मनी यात्रा के दौरान न्यूरेम्बर्ग में भारत के राजदूत अजीत गुप्ते तथा अन्य गणमान्य अतिथियों के साथ आयोजित विशेष रात्रि भोज में सहभागिता की। इस अवसर पर आयोजित बैठक का मुख्य उद्देश्य उत्तर प्रदेश में तेजी से बढ़ रहे निवेश अवसरों, सुदृढ़ होती आर्थिक स्थिति तथा प्रदेश में विकसित हो रहे अनुकूल कारोबारी वातावरण को वैश्विक मंच पर साझा करना रहा।उपमुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तीव्र गति से अग्रसर है। उन्होंने कहा कि व्यापार करने में सुगमता, पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था और सुदृढ़ कानून-व्यवस्था के कारण प्रदेश में निवेश के लिए अत्यंत अनुकूल वातावरण तैयार हुआ है। सरकार की नीतियों और त्वरित निर्णय प्रणाली के कारण प्रदेश में उद्योगों के प्रति विश्वास बढ़ा है और देश-विदेश के निवेशक उत्तर प्रदेश को प्राथमिकता दे रहे हैं।उन्होंने प्रदेश में विकसित किए जा रहे तीव्रगति मार्गों के व्यापक जाल, हवाई अड्डों के विस्तार, बहुउद्देश्यीय औद्योगिक क्षेत्रों तथा समर्पित औद्योगिक गलियारों की जानकारी देते हुए कहा कि इन आधारभूत संरचनाओं ने उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय निवेश का केंद्र बना दिया है। प्रदेश के विभिन्न भागों में स्थापित हो रहे औद्योगिक पार्क, लॉजिस्टिक केंद्र और निर्यात उन्मुख इकाइयाँ आर्थिक प्रगति को नई गति दे रही हैं।राजदूत अजीत गुप्ते के साथ हुई चर्चा में जर्मनी और उत्तर प्रदेश के बीच तकनीकी आदान-प्रदान, कौशल विकास, उन्नत विनिर्माण तथा नवाचार आधारित उद्योगों में सहयोग की संभावनाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। दोनों पक्षों ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि पारस्परिक सहयोग से औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और तकनीकी उन्नयन को बढ़ावा मिलेगा।उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश ने प्रशासनिक सुधार, पारदर्शिता और औद्योगिक प्रोत्साहन की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अब केवल संभावनाओं का प्रदेश नहीं, बल्कि उद्यम और अवसरों का प्रदेश बन चुका है। प्रदेश सरकार वैश्विक निवेशकों को हर संभव सहयोग और सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।इस अवसर पर भारतीय दूतावास के वरिष्ठ अधिकारी, जर्मनी के प्रमुख उद्योगपति तथा प्रवासी भारतीय समुदाय के गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

आयुष विभाग से लेकर मतदाता सूची तक, सरकार पर बरसे वंशराज दुबे

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता वंशराज दुबे ने प्रदेश मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में राज्य सरकार पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश का आयुष विभाग बदहाल स्थिति में है और बुनियादी सुविधाओं के अभाव में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट में यह उल्लेख है कि अप्रैल 2018 से मार्च 2023 की अवधि में आयुष विभाग के अनेक केंद्रों पर बिजली तक उपलब्ध नहीं है। दुबे के अनुसार, 153 से अधिक केंद्रों में बिजली का अभाव है और बड़ी संख्या में मशीनें उपयोग के बिना पड़ी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यूनानी और होम्योपैथिक मद में हजारों करोड़ रुपये का बजट खर्च न कर वापस कर दिया गया।वंशराज दुबे ने कहा कि प्रदेश में आठ आयुर्वेदिक, नौ होम्योपैथिक और दो यूनानी मेडिकल कॉलेज संचालित हैं। इसके अतिरिक्त हजारों आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक और यूनानी अस्पताल एवं औषधालय कार्यरत हैं, लेकिन सुविधाओं की स्थिति संतोषजनक नहीं है। उन्होंने दावा किया कि ढाई हजार करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि खर्च न होना विभागीय लापरवाही को दर्शाता है।मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के विदेश दौरे और निवेश दावों पर भी उन्होंने सवाल उठाए। दुबे ने कहा कि विभिन्न वर्षों में लाखों करोड़ रुपये के निवेश और बड़ी संख्या में रोजगार सृजन के दावे किए गए, किंतु जमीनी स्तर पर युवाओं को स्थायी रोजगार नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि रोजगार मेलों में युवाओं को ठेका आधारित कार्य देकर रोजगार उपलब्ध कराने का दावा किया जा रहा है।मतदाता सूची पुनरीक्षण के मुद्दे पर भी उन्होंने सरकार और प्रशासन को घेरा।

ज्योतिष के गूढ़ रहस्यों को समझाने का अभिनव प्रयास

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद के चैप्टर -2 लखनऊ एवं गोरखपुर चैप्टर ने ₹गुरूकुल ज्ञानोत्सव-2026₹ के माध्यम से अपने विद्यार्थियों/ ज्योतिषियों को खेल-खेल में ज्योतिष के गूढ़ रहस्यों को समझाने का एक अभिनव प्रयास किया। यह आयोजन एक पार्क निकट एसजीपीजीआई, रायबरेली रोड, लखनऊ में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की रूपरेखा लखनऊ के चैप्टर चेयरमैन सूर्य कांत मिश्रा आई आर एस और गोरखपुर चैप्टर की चेयरपर्सन तनुश्री ने तैयार की एवं सुनीता ने ग्रहों के कारक पर गीतों के माध्यम से प्रयतियोगिता करायी ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि परिषद के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं प्रख्यात ज्योतिषविद् डा. रमेश 'चिन्तक' एवं प्रो.पंकज श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि थे। श्री चिंतक ने कर्म , कोश और षड् रिपु पर व्यावहारिक पक्ष पर प्रकाश डाला । कार्यक्रम में शिक्षा, विज्ञान एवं प्रशासनिक क्षेत्र के ज्योतिष संबंधी जिज्ञासु-जनों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रकृति के सानिध्य में गुरू-शिष्य शिक्षण की गुरूकुल की परंपरा को साकार करने के उद्देश्य से ग्रहों के कारकत्व एवं उनके दोषों के निराकरण संबंधी नाट्य रूपांतर में विद्यार्थियों तथा अतिथियों ने भाग लिया और पुरस्कार प्राप्त किया। इसके साथ ही ज्योतिष के प्रति फैले भ्रामकता को भी नाट्य के माध्यम से दूर करने के उपाय बताये गये। मुख्य अतिथि डा. रमेश चिंतक ने कर्म त्रिकोण विषयक उद्बोधन दिया और जीवन में मंगल योग को मंगल दोष बताकर समान्यजन को भ्रमित करने पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में श्रीप्रकाश श्रीवास्तव ने मुख्य रूप से आगन्तुक अथितियों का स्वागत किया । कार्यक्रम में कानपुर से आए विभु , ज्योति , वरिष्ठ अभियंता अविनाश मिश्रा , सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यकर्ता नीलिमा , उत्तर प्रदेश के सिविल डिप्लोमा अभियंता संघ के संरक्षक ओ.पी. राय एवं अध्यक्ष नितेंद्र श्रीवास्तव, अभियंता महेश चक , सुशील आदि गणमान्य लोगों ने भाग लिया ।

राहुल गांधी की राजनीति झूठ और अराजकता पर आधारित : ब्रजेश पाठक

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने मंगलवार को भाजपा राज्य मुख्यालय, लखनऊ में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की तथाकथित 'मुहब्बत की दुकान' में केवल नफरत, अराजकता, दंगा और भारत विरोध का सामान मिल रहा है।ब्रजेश पाठक ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी झूठ की राजनीति के उस स्तर पर पहुंच चुके हैं, जहां से वापसी संभव नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार पर अनर्गल तथा तथ्यहीन आरोप लगाते हैं और सोशल मीडिया के माध्यम से भ्रम फैलाने का प्रयास करते हैं। यह प्रवृत्ति न केवल निंदनीय है, बल्कि राष्ट्रहित के प्रतिकूल है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का उद्देश्य जनता को उकसाना, अराजकता फैलाना और देश की छवि को नुकसान पहुंचाना रह गया है।उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जब भारत वैश्विक स्तर पर नेतृत्व की भूमिका में है, तब एआई ग्लोबल समिट के संदर्भ में कांग्रेस नेताओं की गतिविधियों से देश की गरिमा को ठेस पहुंची है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी द्वारा ऐसे कृत्यों का समर्थन यह दर्शाता है कि इस पूरी रणनीति के पीछे उनकी सहमति और समर्थन है।ब्रजेश पाठक ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध का अधिकार सभी को है, लेकिन विरोध के नाम पर नग्नता और अराजकता का सहारा लेना भारतीय संस्कृति और विरासत के विरुद्ध है। उन्होंने कहा कि देश की जनता नकारात्मक और विघटनकारी राजनीति को स्वीकार नहीं करेगी। विदेशी मंचों पर भारत के खिलाफ बयानबाजी करना और प्रधानमंत्री पर आरोप लगाना कांग्रेस की पुरानी प्रवृत्ति रही है।

जानकीपुरम में लाइसेंसी रिवॉल्वर से फायरिंग करने वाला आरोपी गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के उत्तरी जोन अंतर्गत थाना जानकीपुरम पुलिस ने लाइसेंसी रिवॉल्वर से जान से मारने की नियत से फायरिंग करने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लाइसेंसी रिवॉल्वर, कारतूस और शस्त्र लाइसेंस बरामद किया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार 23 फरवरी 2026 को वादी गोपाल सिंह निवासी जानकीपुरम गार्डन, लखनऊ ने थाना जानकीपुरम में शिकायत दर्ज कराई कि राजेश गुप्ता नामक व्यक्ति ने गाड़ी खड़ी करने को लेकर विवाद के दौरान गाली-गलौज की तथा जान से मारने की नीयत से फायरिंग की। शिकायत के आधार पर मुकदमा अपराध संख्या 40/2026 धारा 109(1), 352 भारतीय न्याय संहिता के तहत पंजीकृत किया गया और विवेचना उपनिरीक्षक विकास सिंह को सौंपी गई। जांच के दौरान दोनों पक्षों को थाने पर बुलाया गया तथा सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई। फुटेज में फायरिंग करते हुए व्यक्ति की पहचान राजेश गुप्ता (48 वर्ष) निवासी जानकीपुरम गार्डन, लखनऊ के रूप में हुई। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर .32 एसएएफ (कानपुर निर्मित), 10 जिंदा कारतूस तथा शस्त्र लाइसेंस प्रस्तुत किया।पुलिस ने आरोपी को धारा 109(1), 352 भारतीय न्याय संहिता के साथ आर्म्स अधिनियम की धारा 27/30 के तहत गिरफ्तार कर लिया। बरामदगी में एक लाइसेंसी रिवॉल्वर, 10 केएफ .32 जिंदा कारतूस, 4 जीको .32 जिंदा कारतूस तथा शस्त्र लाइसेंस शामिल है।गिरफ्तार आरोपी को विधिक कार्यवाही पूर्ण कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। उसके आपराधिक इतिहास की जानकारी अन्य थानों और जनपदों से प्राप्त की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक विकास सिंह, उपनिरीक्षक मुकुल आनंद तथा हेड कांस्टेबल सर्वेश कुमार शामिल रहे।

उत्तर प्रदेश पुलिस का मिशन शक्ति 5 .0 अभियान : अलीगंज में छात्राओं को सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का संदेश

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ द्वारा मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत अलीगंज स्थित आंचलिक विज्ञान केंद्र में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं एवं शिक्षिकाओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव और आपातकालीन सहायता सेवाओं के प्रति जागरूक करना रहा।थाना अलीगंज की टीम ने कार्यक्रम में उपस्थित बच्चियों और महिलाओं को पिंक बूथ, पिंक स्कूटी, महिला हेल्प डेस्क तथा मिशन शक्ति केंद्रों की भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही साइबर अपराधों से बचाव के उपाय समझाए गए और 112, 1090, 181, 1076 तथा 1930 जैसे महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी प्रदान की गई।मिशन शक्ति 5.0 के तहत पुलिस आयुक्त श्री अमरेन्द्र कुमार सेंगर के निर्देशन में लखनऊ जनपद के 54 थानों में मिशन शक्ति केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं। प्रत्येक केंद्र पर निरीक्षक, अतिरिक्त निरीक्षक, उपनिरीक्षक एवं महिला उपनिरीक्षक की नियुक्ति की गई है, ताकि थानों पर आने वाली महिलाओं की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा सके।कार्यक्रम में महिला उपनिरीक्षक प्रगति सिंह एवं महिला उपनिरीक्षक आशी गुप्ता की प्रमुख भूमिका रही। उन्होंने छात्राओं को 'गुड टच' और 'बैड टच' के बारे में जागरूक करते हुए व्यक्तिगत सुरक्षा के महत्वपूर्ण उपाय बताए। साथ ही महिला सशक्तिकरण, कानूनी अधिकारों और सरकारी सहायता योजनाओं की जानकारी देकर आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का संदेश दिया गया।

इटौंजा पुलिस ने अपहरण व मारपीट के तीन आरोपी गिरफ्तार किए, स्कार्पियो बरामद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के उत्तरी जोन अंतर्गत थाना इटौंजा पुलिस ने अपहरण, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना में प्रयुक्त एक स्कार्पियो वाहन भी बरामद किया गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार 23 फरवरी 2026 को वादी अरुण कुमार सिंह निवासी ग्राम भिरसापुर, थाना अटरिया, जनपद सीतापुर द्वारा थाना इटौंजा में तहरीर दी गई। शिकायत में आरोप लगाया गया कि बिना नंबर की स्कार्पियो वाहन ने उनके छोटे भाई आलोक सिंह की दोपहिया गाड़ी में टक्कर मार दी। इसके बाद आरोपियों ने एक राय होकर आलोक सिंह और उनके साथी शानू पाण्डेय के साथ मारपीट की तथा आलोक सिंह का अपहरण कर जान से मारने की धमकी दी।तहरीर के आधार पर मुकदमा अपराध संख्या 026/2026 धारा 191(2), 115(2), 140(1), 351(3), 281 भारतीय न्याय संहिता के तहत पंजीकृत किया गया। घटना को गंभीरता से लेते हुए प्रभारी निरीक्षक इटौंजा के निर्देशन में पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़ित को सकुशल बरामद कर लिया।पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों—शैलेश यादव (22 वर्ष), राहुल यादव (27 वर्ष) निवासी ग्राम खजूरी इन्दारा, थाना महिगवा, जनपद लखनऊ तथा सुमित सिंह (25 वर्ष) निवासी ग्राम जल्लाबाद, थाना सिधौली, जनपद सीतापुर—को गिरफ्तार किया। साथ ही घटना में प्रयुक्त स्कार्पियो वाहन संख्या यूपी 32 एनएस 9779 को बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपियों को विधिक कार्रवाई पूर्ण कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक संजय कुमार गुप्ता, उपनिरीक्षक तेजवीर सिंह, उपनिरीक्षक सुमित कुमार तथा कांस्टेबल रवि कुमार शामिल रहे।पुलिस ने बताया कि कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी।

बांग्लादेश की नई सरकार में हिंदू मंत्रियों की आमद

पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में तारिक रहमान के रूप में नई सरकार शपथ ले चुकी है। खास बात ये है रहमान के नेतृत्व वाली नई सरकार में दो हिंदू सांसदों को मंत्री बनाया गया है। उनके इस निर्णय को भारत के साथ प्रत्यक्ष रूप से बिगड़े संबंधों को सुधारने की पहल के रूप में समूची दुनिया देख रही है। इस कदम से चीन-पाकिस्तान चिढ़े भी हैं। वो नहीं चाहते कि बांग्लादेश भारत या उनसे वास्ता रखने लोगों को तवज्जो दे। लेकिन, तारिक रहमान ने उनके नापाक मंसूबों को धता बताते हुए, बड़ी सूझबूझता से कदम आगे बढ़ाया। बीते कुछ महीनों में 11 हिंदुओं के साथ हुई निर्मम बर्बरता ने बांग्लादेश की न सिर्फ थू थू करवाई, बल्कि दशको से मधुर संबंधों को भी पटरी से उतार दिया था। इसको लेकर दोनों मुल्कों में तल्खियां बनी हुई थीं। रहमान जानते हैं अगर माहौल ऐसा ही बरकरार रहा, तो रिश्तो की दूरियां घटने वाली नहीं? ऐसी अखरती दुश्वारियों पर गौर करते हुए ही रहमान ने अपनी कैबिनेट में हिंदू समुदाय से ताल्लुक रखने वाले सांसदों को अहम औहदे सौंपे ताकि रिश्तों में फिर से नरमी लाई जा सके। भारत ने भी उनके निर्णय को सराहा है।

गौरतलब है कि तारिक रहमान के आगाज से पूर्व बांग्ला-हिंदुओं पर किस तरह के अत्याचार हुए हैं और हो भी रहे हैं? ऐसी निदंनीय घटनाओं को तत्काल प्रभाव से रोकने की चुनौती तारिक रहमान के सामने अभी भी खड़ी है। हालांकि, रोकने के लिए वह अपने कदम तेजी से बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री रहमान सबसे पहले पूर्व की अंतरिम सरकार के मुखिया रहे मोहम्मद यूनुस के अटपटे और संबंध बिच्छेद भरे निर्णयों की समीक्षा करेंगे। उनका झुकाव भारत को परेशान करने वाली पाकिस्तान-चीन की संयुक्त खुराफाती नीतियों की ओर ज्यादा रहा था। रहमान अच्छे से समझते हैं कि जबतक मोहम्मद यूनुस कार्यकारी प्रधानमंत्री रहे, उन्होंने भारत के साथ संबंधों को बिगाड़ने की हर संभव कोशिशें कीं। कुछ उन्होंने की और कुछ दूसरे देशों ने करवाई? दूसरे देश कौन से हैं जिनके नाम लेने की शायद जरूरत नहीं? सभी जानते हैं।

प्रधानमंत्री तारिक रहमान भारतीय हुकूमत का साथ लेकर और अपनी कैबिनेट में अल्पसंख्यक हिंदू मंत्रियों की आमद के साथ बांग्लादेश में अगले पांच सालों तक समानांतर सरकार चलाना चाहते हैं। इसी को ध्यान में रखकर जब उनकी पार्टी बीएनपी चुनावों में जीती तो सबसे पहले वह अपने धुरविरोधी विपक्षी नेता और जमात-ए-इस्लामी प्रमुख शफीकुर रहमान के बिना बुलाए, ढ़लती शाम के बाद उनके आवास पहुंच गए। चुनावी गुस्सेबाजियों के इतर उनसे नई सरकार में सहयोग की गुजारिश करी। विपक्षी नेता ने भी राजनीतिक दुश्मनी छोड़कर उनका गर्मजोशी से अपने घर पर स्वागत किया। दरअसल, इस तरह की खूबसूरत परंपरा का प्रचार-प्रसार पूरे विश्व में होना चाहिए, कि चुनाव बाद विपक्ष से सत्ता पक्ष को कैसे व्यवहार करना चाहिए। ये उन देशों के लिए सीख भी है जहां पक्ष-विपक्ष आपस में अनैतिक कुकर्मों की सभी सीमाएं लांघ रहे हैं। रहमान उस विपक्षी नेता के घर भी पहुंचे जिनकी पार्टी चुनावों में तीसरे स्थान पर रही। नेशनल सिटीजन पार्टी के नाहिद इस्लाम को भी गले लगाया और बांग्लादेश के विकास में उनसे भी सहयोग मांगा। राजनीति में ऐसी तस्वीरों का दिखना दुर्लभ होता है, लेकिन बांग्लादेश में दिखी।

रहमान की जीत पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का उन्हें भाई बताना और उनकी जीत की खुशी में फूल-मिठाईयां को ढाका भेजना भी धूमिल संबंधों में रस भरने जैसा कहा जाएगा। साथ ही रहमान के शपथ में भारत सरकार की ओर से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का पहुंचना भी सुखद और नए संबंधों में नए सिरे से गढ़ने जैसा है। नए रंग में रिश्तों को रंगने की दरकार इसलिए भी महसूस होने लगी है क्योंकि बांग्लादेश की सत्यानाशी के लिए जिस तरह से चीन-पाकिस्तान मिलकर घेराबंदी कर रहे हैं जिसका अंदाजा नवगठित सरकार के मुखिया को भी है। बांग्ला-हिंदू संबंध जितने बिगड़ेंगे, उतना फायदा ये दोनों मुल्क मिलकर उठाएंगे। पूर्व की कार्यकारी सरकार को इन्होंने कठपुतली की तरह इस्तेमाल किया। पाकिस्तान के सह पर बांगाली और हिंदुओं को खूब लड़ाया गया। लेकिन संपन्न हुए 13वें राष्ट्रीय चुनाव में तीन हिंदू समुदाय के सांसद जीते हैं जिनमें निताई रॉय चैधरी को स्पीकर, चंटगांव से जीते अधिवक्ता दीपेन दीवान को पहाड़ी क्षेत्रों के संरक्षण के लिए मंत्री, तो वहीं गोयेश्वर रॉय चैधरी को महत्पूर्ण रेलमंत्री बनाया गया है। बांग्लादेश में नवगठित हुकूमत के साथ करीब एक डेढ़-सालों से दंगों का दंश झेल रहे देश में आखिरकार नई सुबह का आगाज हो चुका है। आवाम को इस दिन का लंबे वक्त से इंतजार था।

पारदर्शिता से जवाबदेही की ओर: भारत की खाद्य सुरक्षा संरचना में एआई की भूमिका

एफसीआई और सेंट्रल वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन (सीडब्ल्यूसी) द्वारा संचालित भंडारण केन्द्रों में, निगरानी को मजबूत करने हेतु आईओटी-आधारित निगरानी प्रणालियों की शुरुआत की जा रही है।

संजीव चोपड़ा

पिछले एक दशक के दौरान, भारत ने अभूतपूर्व पैमाने पर अपनी खाद्य सुरक्षा संरचना का डिजिटलीकरण किया है। खरीद एवं भंडारण से लेकर परिवहन, वितरण और सब्सिडी के निपटारे तक, मूल्य श्रृंखला का हर चरण अब डिजिटल प्रणालियों द्वारा संचालित है। यह व्यवस्था निरंतर संचालन से जुड़े आंकड़े सृजित करने के साथ-साथ ही हर महीने लगभग 80 करोड़ लाभार्थियों को सेवा प्रदान कर रही है।

शासन संबंधी अगली चुनौती इस पारदर्शिता को प्रशासनिक जवाबदेही में बदलना है। सिर्फ दृश्यता ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि इस प्रणाली को पैटर्न की व्याख्या करने, जोखिमों को प्राथमिकता देने और समय पर प्रतिक्रिया देने में भी समर्थ होना चाहिए। इस बदलाव को देखते हुए, केन्द्र सरकार पूरी प्रणाली में निर्णय लेने की प्रक्रिया को मजबूत करने के उद्देश्य से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग कर रही है।

खरीद प्रक्रिया के दौरान, भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) को कुटाई के बाद आपूर्ति किए गए चावल की गुणवत्ता का आकलन टूटे हुए दानों के प्रतिशत, अशुद्धियों और रंग में बदलाव जैसे निर्धारित मापदंडों के आधार पर दृश्य आधारित मूल्यांकन पर निर्भर करता है। बड़े पैमाने पर, मानवीय व्यक्तिपरकता के कारण नतीजे भिन्न हो सकते हैं। इसलिए, एआई से लैस स्वचालित अनाज विश्लेषक (एजीए) का उपयोग तस्वीर-आधारित विश्लेषण के जरिए इन मापदंडों का आकलन करने हेतु किया जा रहा है। माप को मानकीकृत और व्यक्तिपरकता को कम करके, ये प्रणालियां मौजूदा खरीद मानदंडों के भीतर काम करते हुए गुणवत्ता के सत्यापन में निरंतरता को बेहतर बना रही हैं।

एफसीआई और सेंट्रल वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन (सीडब्ल्यूसी) द्वारा संचालित भंडारण केन्द्रों में, निगरानी को मजबूत करने हेतु आईओटी-आधारित निगरानी प्रणालियों की शुरुआत की जा रही है। सेंसर तापमान, आर्द्रता, फॉस्फीन और कार्बन डाइऑक्साइड के स्तर को मापते हैं, जबकि एआई से लैस कंप्यूटर विजन टूल स्वचालित तरीके से बोरियों की गिनती और स्टॉक के सत्यापन में सहायता करते हैं। ये प्रणालियां माल-सूची (इन्वेंट्री) और पर्यावरणीय स्थितियों से संबंधित निरंतर आंकड़े सृजित करती हैं। डीएफपीडी के वेयरहाउस ग्रेडिंग प्लेटफॉर्म, डिपो दर्पण के साथ एकीकृत, इस आंकड़े का विश्लेषण प्रिडिक्टिव एनालिटिक्स का उपयोग करके खराब होने के जोखिम, स्टॉक संबंधी विसंगतियों या अनुपालन की कमियों से जुड़े पैटर्न की पहचान करने हेतु किया जा सकता है ताकि शीघ्र और अपेक्षाकृत अधिक जोखिम-आधारित पर्यवेक्षण से जुड़ी कार्रवाई संभव हो सके।

खाद्यान्नों की आवाजाही के दौरान, मार्ग अनुकूलन उपकरणों ('अन्न चक्र) का उपयोग करके जहां परिवहन की योजना बनाई जाती है, वहीं व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग सिस्टम (वीएलटीएस) ट्रक की आवाजाही से जुड़े वास्तविक समय में जीपीएस आधारित आंकड़े सृजित करते हैं। राज्यों ने मार्ग अनुकूलन के जरिए लगभग 238 करोड़ रुपये की वार्षिक बचत की है। मार्ग संबंधी योजना भले ही व्यवस्थित है, लेकिन राज्यों में हजारों यात्राओं की निगरानी करना परिचालन संबंधी चुनौतियां पेश करता है। आवागमन संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण करने और बार-बार होने वाले मार्ग विचलन, असामान्य देरी या असामान्य ठहराव को चिह्नित करने के उद्देश्य से एआई-आधारित पैटर्न का पता लगाने और विसंगति की पहचान करने की योजना बनाई जा रही है। ये विश्लेषण निगरानी को मजबूत कर रहे हैं और परिवहन संचालन के अपेक्षाकृत अधिक केन्द्रित सत्यापन को संभव बना रहे हैं।

वितरण वाले चरण में, राज्यों द्वारा रखे गए लाभार्थियों के रिकॉर्ड को स्मार्ट-पीडीएस प्लेटफॉर्म के तहत समेकित किया जाता है। इससे राशन कार्डों का एक एकीकृत राष्ट्रीय भंडार तैयार होता है। यही नहीं, इससे राज्य द्वारा परिभाषित मानदंडों के तहत संभावित रूप से अपात्र कार्डों की पहचान करने हेतु अन्य सरकारी डेटाबेस के साथ सत्यता की पुष्टि (क्रॉस-वेरिफिकेशन) भी संभव हो पाती है। अब तक, इस तरह के सत्यापन के जरिए 8.51 करोड़ राशन कार्डों को चिह्नित किया गया है। इनमें से 2.18 करोड़ कार्डों को राज्य सरकारों द्वारा उचित प्रक्रिया के बाद हटा दिया गया है। हालांकि नामों, पतों, आधार सीडिंग और परिवार की संरचना में विसंगतियां बड़े पैमाने पर नियम-आधारित जांच की प्रभावशीलता को सीमित कर सकती हैं। संभावित नकल, संबंधित पहचानों या परिवारों के असामान्य पुनर्गठन की पहचान करने हेतु मशीन लर्निंग पर आधारित आंकड़ों के मिलान की तकनीकों का उपयोग करने की योजना बनाई जा रही है। इसके परिणामस्वरूप प्राप्त होने वाले जोखिम संबंधी संकेत राज्यों द्वारा लक्षित सत्यापन में सहायता करेंगे, जिससे मौजूदा पात्रता संबंधी मानदंडों के भीतर सटीकता बेहतर होगी।

लाभार्थियों की शिकायतें सेवाओं की आपूर्ति और अनाज की गुणवत्ता के बारे में महत्वपूर्ण संकेत देती हैं। शिकायत दर्ज कराने हेतु कई साधन (ऑनलाइन पोर्टल, कॉल सेंटर, व्हाट्सएप और आईवीआरएस सहित) मौजूद हैं, लेकिन शिकायतों की संख्या और भाषाई विविधता के कारण समय पर उनका निपटान और समाधान करना मुश्किल हो जाता है। सरकार ने अन्न सहायता होलिस्टिक एआई सॉल्यूशन (आशा) शुरू किया है, जो बहुभाषी वॉयस आउटरीच और एआई-आधारित विश्लेषण का उपयोग करके लाभार्थियों से व्यवस्थित प्रतिक्रिया एकत्र करता है। स्वचालित वर्गीकरण और भावनाओं के विश्लेषण प्रशासकों के लिए डैशबोर्ड तैयार करते हैं, जिससे प्राथमिकता के निर्धारण और प्रतिक्रिया में लगने वाले समय में सुधार होता है। आशा वर्तमान में प्रति माह लगभग 20 लाख लाभार्थियों तक पहुंचती है और पूरे देश में इसका विस्तार किया जा रहा है।

अंत में, राज्य सरकारें खरीद लागत घटकों से संबंधित सहायक दस्तावेजों के साथ एनएफएसए के लिए सब्सिडी दावे (स्कैन) पोर्टल के जरिए सब्सिडी संबंधी दावों को प्रस्तुत करती हैं। प्रारूप और चेकलिस्ट भले ही मानकीकृत हैं, लेकिन अपूर्ण, बेमेल या अस्पष्ट दस्तावेज के कारण जांच और प्रतिपूर्ति में देरी हो सकती है। दस्तावेजों की प्रासंगिकता, डेटा की निरंतरता और अपलोड की स्पष्टता की पुष्टि करने हेतु एआई-आधारित दस्तावेज सत्यापन और गुणवत्ता मूल्यांकन का उपयोग किया जा रहा है। इससे बार-बार की पूछताछ कम होती है और दावों के निपटारे की प्रक्रिया में दक्षता और निरंतरता बेहतर होती है।

भारत की खाद्य सब्सिडी संरचना ने डिजिटलीकरण के जरिए पहले ही बर्बादी को कम कर दिया है। अगला बदलाव जवाबदेही में निहित है। खरीद, भंडारण, परिवहन, वितरण और दावों के निपटान की प्रक्रिया में एआई को शामिल करके, यह प्रणाली जोखिमों का शीघ्र पता लगाने, त्रुटियों को तेजी से सुधारने और लाभार्थियों को उनका हक समय पर दिलाने में अधिक समर्थ हो जाती है। कुल 80 करोड़ से अधिक लोगों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले इस कार्यक्रम में, अधिक जवाबदेही कोई मामूली सुधार नहीं बल्कि सामाजिक सुरक्षा ढांचे की संरचनात्मक मजबूती का प्रतीक है।

(लेखक खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के सचिव हैं)

टिप्पणी

कांग्रेस को सबक लेना चाहिए

कांग्रेस की मुश्किल यह है कि समर्थन आधार बढ़ाने की कोई कार्ययोजना उसके पास नहीं है। उसके नेता और कार्यकर्ता राजनीति की धूल-धक्कड़ में नहीं उतरना चाहते। वे नफ़ासत से सियासत करते हैं, जिसका परिणाम जनाधार का सिकुड़ते जाना है।

डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन ने तमिलनाडु में कांग्रेस के साथ सत्ता साझा करने की संभावना से दो टूक इनकार कर इंडिया एलायंस को वैसे विवाद से बचा लेने की कोशिश है, जिसका भारी नुकसान इस समूह को कई राज्यों में उठाना पड़ा। गौरतलब है कि हरियाणा से लेकर महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश लेकर बिहार तक- ऐसे विवाद में समान पात्र कांग्रेस रही। मध्य प्रदेश और हरियाणा में गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी होने की अपनी हैसियत को जताते हुए टिकट बंटवारे में उसने समाजवादी पार्टी या अन्य छोटे दलों की मांगों को सिरे से ठुकरा दिया। महाराष्ट्र और बिहार में अधिक सीटों पर उम्मीदवारी पाने के लिए सबसे बड़े दल पर उसने कई कोण से दबाव बनाए, जिसे बदमजगी पैदा हुई।

दोनों राज्यों में मुख्यमंत्री के चेहरे को समर्थन देने में उसने हील-हुज्जत की, जिससे गठबंधन में बिखराव का संदेश गया। अब वही तरीका तमिलनाडु की कांग्रेस इकाई ने कुछ समय पहले से अपनाया हुआ था। चुनाव लड़ने के लिए अधिक सीट और चुनाव के बाद अगर सत्ता मिली, तो सरकार में मंत्री पद का पहले से वादा- कांग्रेस की इन दो मांगों से गठबंधन के अंदर खींचतान का माहौल बन रहा था। डीएमके ने दोनों मांगों को ठुकरा दिया है। इस तरह अब यह कांग्रेस पर है कि वह राज्य में फिलहाल सत्ताधारी गठबंधन में रहे या नहीं। लोकतंत्र में सत्ता में आने की अपेक्षा रखना उचित ही है। लेकिन सत्ता मिलना या ना मिलना समर्थन आधार की ताकत से तय होती है।

कांग्रेस की मुश्किल यह है कि समर्थन आधार बढ़ाने की कोई कार्ययोजना उसके पास नहीं है। संभवतः कांग्रेस नेतृत्व को इसकी चिंता भी नहीं है। उसके नेता और कार्यकर्ता राजनीति की धूल-धक्कड़ में नहीं उतरना चाहते। वे नफ़ासत से सियासत करते हैं, जिसका परिणाम जनाधार का सिकुड़ते जाना है। ऐसे में अधिकांश राज्यों में सहयोगी दलों की पीठ पर सवारी उनकी मजबूरी बन गई है। मगर इसमें भी वे अपनी शर्तें थोपना चाहते हैं। इसका खराब तजुर्बा सहयोगी दलों को हुआ है। मगर वैसे अनुभव से गुजरने से डीएमके ने इनकार किया है, तो कांग्रेस को उससे सबक लेना चाहिए।

ब्लॉग

राज्यसभा द्विवार्षिक चुनाव 2026 के वर्षपर्यंत सियासी मायने

कमलेश पांडे

चिरंजीवी सदन 'राज्यसभा' के द्विवार्षिक चुनाव के लिए वर्ष 2026 में विभिन्न चरणों में खाली होने वाली कुल 71-75 सीटें के लिए चुनाव होंगे, जो पूरे वर्ष अप्रैल और नवंबर में भरी जाएंगी। लिहाजा, इन चुनावों के राजनीतिक मायने गहन व अहम हैं, क्योंकि ये चुनाव जहां एनडीए की बहुमत मजबूती बढ़ा सकते हैं, वहीं विपक्ष को भी कमजोर कर सकते हैं। इससे भाजपा व उसके साथियों का चुनावी हौसला बढ़ेगा।

जहां तक इनकी प्रमुख तारीखों की बात है तो चुनाव आयोग ने पहले चरण में 10 राज्यों की 37 सीटों पर चुनाव घोषित किए हैं। जिसके लिए अधिसूचना 26 फरवरी को जारी होगी, नामांकन 5 मार्च तक, और मतदान-मतगणना 16 मार्च 2026 को। जबकि बाकी सीटें नवंबर में भरी जाएंगी, जिसमें उत्तर प्रदेश की 10 सीटें सबसे महत्वपूर्ण हैं। इन दस चुनावी राज्यों में से 6 राज्यों में एनडीए की सरकार है, जबकि 4 राज्यों में इंडी गठबंधन के घटक दल सरकार में हैं। जहां तक राज्यवार सीटों की बात है कि पहले चरण में महाराष्ट्र की 7, तमिलनाडु की 6, पश्चिम बंगाल की 5, बिहार की 5, ओडिशा की 4, असम की 3, हरियाणा की 2 और छत्तीसगढ़ की 1 सीटें शामिल हैं, जबकि दूसरे चरण में उत्तरप्रदेश की 10 और झारखंड, आंध्रप्रदेश और तेलंगाना आदि की 20 से अधिक सीटों के लिए नवम्बर में चुनाव होंगे।

जहां तक उच्च सदन राज्यसभा में वर्तमान दलगत स्थिति की बात है तो राज्यसभा में कुल 245 सीटें हैं, जहां भाजपा के 103 और एनडीए के 121-129 सांसद हैं। जबकि विपक्षी इंडिया (INDIA) ब्लॉक के पास 78-80 सीटें हैं, जिसमें कांग्रेस के 27 सांसद हैं। जहां तक इन चुनावों के राजनीतिक प्रभाव की बात है तो इन चुनावों में एनडीए को 7-9 या इससे अधिक सीटों का लाभ मिलने का अनुमान है, जिससे उनकी संख्या 145 तक पहुंच सकती है। जबकि विपक्ष को 5 सीटें खोने का खतरा, खासकर बिहार, महाराष्ट्र में है। इससे भाजपा को राज्यसभा में अब कोई भी विधेयक पास करना आसान होगा और सुपरमेजॉरिटी की ओर बढ़त भी उसे मिलेगी।

सवाल है कि इन चुनावों में एनडीए को कितनी सीटें मिलने की संभावना है तो राजनीतिक विश्लेषकों को अनुमान है कि एनडीए को 2026 के राज्यसभा चुनावों में कुल 48 या इससे अधिक सीटें मिलने की संभावना है, जिससे उनकी ताकत 129 से बढ़कर 140+ हो सकती है। पहले चरण के 37 सीटों पर 5-7 का लाभ अनुमानित है, जबकि उत्तर प्रदेश जैसे बाद के चरणों से भी उसे अतिरिक्त मजबूती मिलेगी। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, 71-75 खाली सीटों में से एनडीए को नेट 7-9 या 48 सीटें हासिल हो सकती हैं। चूंकि वर्तमान में एनडीए के 121-129 सदस्य हैं, इसलिए चुनाव बाद 145 तक पहुंचने की उम्मीद है। वहीं बाद के जून-नवम्बर वाले दूसरे चरणों के प्रभाव की बात है तो वे भी स्पष्ट है। उत्तर प्रदेश की 10 सीटों में भाजपा को 7-8 मिलनी संभावित है, जबकि ओडिशा, तेलंगाना आदि में स्थिरतामिलेगी।, कुल मिलाकर सुपरमेजॉरिटी (123+) पक्की होगी। जबकि विपक्ष को 5 नुकसान होगा।

जहां तक इन चुनावों में इंडिया गठबंधन को कितनी सीटें मिलने की बात हैं तो इंडिया गठबंधन को 2026 के राज्यसभा चुनावों में कुल 71-75 सीटों में से नेट 5 का नुकसान हो सकता है, जिससे उनकी संख्या 80 से घटकर 75 रह जाएगी। पहले चरण के 37 सीटों पर भी नुकसान की स्थिति बनी हुई है, हालांकि कुछ राज्यों में स्थिरता संभव है। विश्लेषकों के अनुसार, इंडिया ब्लॉक वर्तमान 80 सीटों से 75 पर सिमट सकता है। कांग्रेस को विशेष रूप से 8 सीटें खोने का खतरा, जिसमें मल्लिकार्जुन खरगे, दिग्विजय सिंह की सीटें भी शामिल हैं। वहीं बाद के चरणों का प्रभाव भी उसपर पड़ेगा। क्योंकि उत्तर प्रदेश की 10 सीटें में से सपा को 2-3 मिलनी संभावित हैं, लेकिन कुल नुकसान होगा। जबकि कर्नाटक, झारखंड में 1-1 सीटों का नुकसान संभव है। ओवरऑल, एनडीए के लाभ से इंडिया कमजोर होगा।

जहां तक राज्यवार स्थिति की बात है तो बिहार में राज्यसभा की 5 सीटों के लिए चुनाव होगा। अभी आरजेडी के 2, जेडीयू के 2 और एक सांसद राष्ट्रीय लोक मोर्चा का है। बिहार में 243 सदस्यीय विधानसभा में एक सीट पर जीत के लिए 41 विधायकों के समर्थन की जरूरत है। एनडीए के पास 202 विधायक हैं और एनडीए के खाते में 4 सीटें सुनिश्चित हैं, जबकि 5 के लिए जोर आजमाइश बढ़ेगी। क्योंकि यहां 35 सीटों के साथ I.N.D.I.A. एक भी सीट अपने बल पर जीतने की स्थिति में नहीं है, ऐसे में 5 विधायकों वाले AIMIM की भूमिका अहम हो जाती है। यदि पूरा विपक्ष एकजुट होता है तो बिहार में विपक्ष के पास कुल 41 विधायक हो जाते हैं और विपक्ष एक सीट निकाल सकते हैं। ऐसे में यह चुनाव तेजस्वी यादव के नेतृत्व और विपक्षी एकता की के लिए अग्निपरीक्षा होगा।

वहीं महाराष्ट्र विधानसभा में भाजपा के नेतृत्व में सत्तारूढ़ महायुति आसानी से 6 सीटों पर जीत हासिल कर लेगा, वहीं 7वीं सीट के लिए वोटिंग हो सकती है। इसलिए महाराष्ट्र की राजनीतिक के चाणक्य कहे जाने वाले शरद पवार का संसदीय सफर थम सकता है। जबकि हरियाणा से बीजेपी के दो सदस्य किरण चौधरी और रामचंद्र जांगरा का कार्यकाल 9 अप्रैल को खत्म हो रहा है। इसी प्रकार ओडिशा की 4 सीटों पर चुनाव होंगे, जहां अभी 2 सीट बीजेपी और 2 बीजेडी के पास है लेकिन विधानसभा चुनाव के नतीजों को देखें तो बीजेपी की सीटों में इजाफा होना तय है। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ में दोनों सीटें अभी कांग्रेस के पास हैं और यहां भी बीजेपी जीत दर्ज करने की स्थिति में है।

रही बात तेलंगाना की तो वहां से कांग्रेस के अभिषेक मनु सिंघवी रिटायर हो रहे हैं और बीआरएस के एक कैंडिडेट का कार्यकाल पूरा हो रहा है। तेलंगाना में काग्रेस दोनों सीटें जीत सकती है और हिमाचल में भी काग्रेस एक सीट जीत सकती है। असम से तीन पश्चिम बंगाल से 5 और तमिलनाडु से भी 6 राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव होंगे। चूंकि इन तीनों राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं लेकिन विधानसभा चुनाव से पहले इन राज्यों में सत्तारूढ़ पार्टियों के पास राज्यसभा में अपना संख्याबल कायम रखने का मौका मिलेगा।

यही वजह है कि क्रॉस वोटिंग से निपटने की चुनौती विपक्ष के सामने रहेगी। क्योंकि राज्यसभा चुनाव में राजनीतिक पार्टियों के लिए अपने अपने विधायको को एकजुट रखने की चुनौती हमेशा होती है। पिछले कुछ राज्यसभा चुनावों को देखें तो हरियाणा में कांग्रेस को क्रॉस वोटिंग का सामना करना पड़ा था। इसलिए आने वाले राज्यसभा चुनावों को देखें तो चाहे हरियाणा हो, बिहार हो, यहां पर काग्रेस और सहयोगी दलों को फूंक-फूंक करकदम रखना होगा। हालांकि कुछ सीटों पर तो रिजल्ट पहले से ही तय है, लेकिन अगर विपक्ष क्रॉस वोटिंग को रोक पाता है तो उसके हाथ भी कुछ सीट आ सकतीहैं। चूंकि राज्यसभा में बीजेपी और एनडीए का प्रभाव लगातार बढ़ता जा रहा है, इसलिए इस वर्ष 75 सीटों पर होने वाले चुनावों में विपक्ष यदि कारगर रणनीति नहीं बनाता है तो फिर इंडिया गठबंधन वाले कांग्रेस और उसके सहयोगियों की संख्या और घट सकती है, इतना तय है।

जहां तक इन चुनावों में प्रमुख नेताओं के प्रभावित होने की बात है तो कई दिग्गजों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है जिसमें राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के शरद पवार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, जदयू नेता हरिवंश, भाजपा के केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी (6 मंत्री सहित) शामिल हैं। वहीं बीएसपी राज्यसभा से साफ हो सकती है। क्योंकि उत्तर प्रदेश में भाजपा को 7, सपा को 2 सीटें मिलने की संभावना है। वहीं राजद (RJD) और बीजद (BJD) समेत कई दलों की सीटें घटेगी।

प्रेमिकाओं से मिलने जा रहे थे, रास्ते में अधिकारी के घर की लूटपाट... हरदोई में हो गया एनकाउंटर, दो बदमाश अरेस्ट

आर्यावर्त संवाददाता

हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में दो शातिर बदमाशों की पुलिस से मुठभेड़ हो गई। दोनों अपनी-अपनी गर्लफ्रेंड्स से मिलने जा रहे थे। मगर उससे पहले उन्होंने एक अधिकारी के यहां चोरी कर डाली। बस फिर क्या था। दोनों को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ में दोनों लुटेरे गोली लगने से घायल हुए हैं।

जानकारी के अनुसार, पकड़े गए बदमाश कमरुद्दीन (निवासी मोतिहारी, बिहार) और धीरेंद्र सिंह उर्फ धीरज (निवासी हमीरपुर) की प्रेमिकाएं हरदोई की रहने वाली हैं। ये युवतियां नोएडा में नौकरी करती थीं, जहां इनकी मुलाकात इन बदमाशों से हुई थी। वैलेंटाइन-डे (14 फरवरी) के आसपास ये दोनों अपनी प्रेमिकाओं से मिलने हरदोई आए थे।

लेकिन प्यार की इस मुलाकात के बीच उन्होंने शहर के एक पॉश इलाके में हाथ साफ करने की योजना बना ली।

17-18 फरवरी की रात को इन शातिरों ने कोतवाली शहर के आजाद नगर में सिंचाई विभाग के प्रशासनिक अधिकारी सुनील जौहरी के सूने घर को निशाना बनाया। बाइक से रेकी करने के बाद दोनों ने ताला तोड़कर घर से लाखों की ज्वेलरी, नकदी, लैपटॉप और मोबाइल समेट लिए।

भागने की कोशिश में पड़के गए दोनों लुटेरे

पुलिस को जब चोरी का सुराग मिला, तो बावन रोड बाईपास पर चेकिंग बढ़ा दी गई। संदिग्ध बाइक सवारों को जब पुलिस ने रोकने का इशारा किया, तो उन्होंने भागने की कोशिश की और पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षार्थ पुलिस ने भी गोलियां चलाईं, जिसमें कमरुद्दीन और धीरेंद्र दोनों के पैरों में गोली लगी और वे सड़क पर गिर पड़े। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया है।

भारी मात्रा में बरामदगी और आपराधिक इतिहास

पुलिस ने इनके पास से दो अवैध तमंचे (.315 बोर), कारतूस, चोरी की गई ज्वेलरी, लैपटॉप, मोबाइल और घटना में इस्तेमाल बाइक बरामद की है। जानकारी मुताबिक, धीरेंद्र सिंह पहले भी 2021 में आगरा में मुठभेड़ के दौरान घायल हो चुका है। उस पर व्यापारी से कार लूट और जानलेवा हमले का आरोप था। दोनों पर नोएडा, आगरा और अन्य जिलों में लूट, डकैती और आर्म्स एक्ट के दर्जनों मुकदमे दर्ज हैं। एएसपी सुबोध गौतम और सीओ सिटी अंकित मिश्रा ने बताया कि पुलिस अब इनके पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि इनके साथ और कौन-कौन शामिल था।

राम भक्ति और संकट निवारण का कांड है सुंदरकांड

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। । श्री रामलीला मैदान गुड़हाई मुंगराबादषाहपुर में आयोजित पंच दिवसीय श्री हनुमत कथा एवं दिव्य दरबार के तीसरे दिन भगवान श्रीराम और प्रभु हनुमान जी का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। वीरेश्वर धाम से कानपुर से पधारे कथा वाचक परम् पूज्य पंडित रुद्रेश्वर ने भगवान श्री राम और प्रभु हनुमान जी की जन्म कथा सुनाई और सुंदरकांड के पाठ के पांच प्रमुख लाभों पर वर्णन किया।कथा वाचक रुद्रेश्वर ने कहा कि भगवान श्री राम का जन्म हमें सत्य, न्याय और भक्ति की ओर ले जाने के लिए हुआ है। प्रभु हनुमान जी भगवान श्री राम के परम भक्त थे,और उनकी भक्ति ने उन्हें भगवान के साथ जोड़ दिया था।सुंदरकांड के पाठ के पांच लाभ बताते हुए कहा कि सुंदरकांड संकट निवारण का कांड है,जो राम जी की भक्ति प्रदान करता है,हनुमान जी द्वारा संकट दूर करने की कथा सुनाता है और भक्तों को हनुमान जी के चरित्र से सीखने की सीख देता है।जन्मोत्सव के दौरान महिलाओं ने श्राजा जी खजनवा दे द, रानी जी गहनवां दे द...ष बधाई व सोहर गीतों पर जमकर भक्ति में झूम उठी। भगवान श्रीराम के रूप में रित्विक गुप्ता व प्रभु हनुमान जी के रूप में अथर्व गुप्ता सजी झांकी पूरे पंडाल में आकर्षण का केंद्र बनी रही। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक डॉ सुषमा पटेल, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति व अर्चना शुक्ला ने पहुंचकर भगवान श्रीराम और प्रभु हनुमान जी के रूप में सजे बाल रूप के झांकी का दर्शन पूजन किया। यजमान कपूर क्रांति गुप्ता और उनकी धर्मपत्नी खुशबू ऊमरवैश्य ने प्रभु हनुमान जी की आरती उतारकर आशीर्वाद लिया।

बिजली के स्मार्ट मीटर की गड़बड़ी से उपभोक्ता परेशान, किसी का बिल हजम, कुछ की बढ़ा दी रकम

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। बरेली में विद्युत निगम की ओर से लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए सिरदर्द साबित हो रहे हैं। स्मार्ट मीटर किसी का बिल हजम कर जा रहा है तो कुछ उपभोक्ताओं का बिल बहुत ज्यादा आ रहा है। समस्या को लेकर उपभोक्ता विद्युत निगम का चक्कर काट रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार सुध नहीं ले रहे हैं। रोजाना रामपुर गार्डन में उपभोक्ताओं की कतार लग रही है। किसी का बेहद कम बिल आ रहा है तो कुछ लोगों को भुगतान करने के बावजूद बकाये से छुटकारा नहीं मिल रहा है।

शाहदाना में नेता का ढाई महीने में महज 19 रुपये बिजली का बिल आया है। उनकी पत्नी सुबह ही विद्युत निगम में समस्या का समाधान कराने पहुंची। विद्युत निगम के सेवानिवृत्त कर्मचारी नरेंद्र सिंह ने बताया कि दिसंबर में बिल जमा किया था, लेकिन जनवरी के बिल में बकाया जोड़कर आ गया है। इसको सुधरवाने के लिए वह चक्कर काट रहे हैं।

प्रेमनगर निवासी जवाहर लाल ने बताया कि पोस्ट पेड स्मार्ट मीटर लगा है। 6,500 रुपये का बिल आ गया है, जिसको समायोजित नहीं किया गया है। सीबीगंज निवासी बाबू राम मौर्य ने बताया कि उनके घर पर स्मार्ट मीटर लगने के दो घंटे बाद ही खराब हो गया। इस वजह से आठ दिनों से घर में बिजली नहीं है।

केस 1

संजयनगर के आनंद बिहार निवासी दंत चिकित्सक विकास वर्मा ने बताया कि 11 माह पहले स्मार्ट मीटर लगा था। कार्यालय के 50 चक्कर काटे, लेकिन बिल नहीं आया। अक्तूबर में पांच हजार रुपये का बिल आया। दिसंबर में 45 हजार रुपये का बिल थमा दिया। फरवरी में यह पेनाल्टी सहित 54,377 रुपये हो गया।

केस 2

कुतुबखाना निवासी गगन सेठी ने बताया कि दिसंबर 2025 में स्मार्ट मीटर लगा था। 900 रुपये बिजली का बिल आया, जिसे जमा कर दिया। फिर एक हजार रुपये बिजली का बिल आया। घर में सिर्फ एक बल्ब जलता है। इस पर एक हजार रुपये का बिल ज्यादा है। यहां प्राइवेट आदमी है, कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

केस 3

सीबीगंज विधौलिया निवासी वाजिद अली खां ने बताया कि चार महीने से उनका बिल नहीं आ रहा था। 10 दिन से कार्यालय का चक्कर काट रहे हैं, कोई सुनवाई नहीं हो रही है। अटलपुरम निवासी ऑटो चालक वीरेंद्र सिंह ने बताया कि जनवरी में उनका तीन हजार बिल आ गया है। पहले 300-400 रुपये आता था।

वाणिज्यिक अनुभाग प्रथम के अधिशासी अभियंता ने बताया कि जिन लोगों का बिल ज्यादा आता है या मीटर में गड़बड़ी होती है, उसको चेक किया जाता है। ऐसे लोगों की लिस्ट बनाकर लखनऊ आईटी टीम को भेजी जाती है। इसमें थोड़ा समय लगता है।

किसान का बेटा डॉक्टर बनने से गांव में खुशी

जौनपुर। धर्मापुर विकास खंड के कुछमुछ गांव के किसान परिवार में जन्मे एक युवक ने अपनी कड़ी मेहनत, लगन और संघर्ष के बल पर वह मुकाम हासिल किया है, जो हर माता-पिता का सपना होता है। कुछमुछ निवासी वीर बहादुर यादव उर्फ पप्पू वर्षों से खेती-किसानी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उनके बड़े बेटे पुष्पेंद्र यादव ने यह साबित कर दिया कि सपनों की कोई सीमा नहीं होती, बस उन्हें पाने का जज्बा होना चाहिए। पुष्पेंद्र की प्रारंभिक शिक्षा गांव के ही सरकारी विद्यालय से हुई। सीमित संसाधनों और साधारण परिस्थितियों के बीच पढ़ाई करते हुए उन्होंने कभी अपने लक्ष्य से नजर नहीं हटाई। हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की पढ़ाई जौनपुर के राधिका इंटर कॉलेज से पूरी की।वर्ष 2018 में उन्होंने देश की कठिन परीक्षाओं में से एक नीट उत्तीर्ण कर लिया और देश के प्रतिष्ठित संस्थान किंग जार्ज मेडिकल कॉलेज लखनऊ में एमबीबीएस में प्रवेश पाया।

एक का पड़ोसी ने तो दूसरे का भाई ने किया था रेप... बरेली में 13 साल की दो मासूम लड़कियों पर जुल्म की इंतहा

आर्यावर्त संवाददाता

बस्ती। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले से रेप के मामले से जुड़ा एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां दो ऐसी बच्चियां मां बनी हैं, जिन्हें शायद अभी 'मां' शब्द का अर्थ और जिम्मेदारी समझने की उम्र भी नहीं थी। एक की उम्र 13 साल और दूसरी की 14 साल है। कैली अस्पताल के गलियारों में जब इन मासूमों की डिलीवरी हुई, तो वहां मौजूद हर शख्स की रूह कांप गई। यह सिर्फ दो बच्चों का जन्म नहीं है, बल्कि दो बचपनों की सामूहिक हत्या की दास्तान है।

पहली रेप पीड़ित बेटी नगर थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली है, जिसके साथ गांव के ही एक आरोपी संजय ने जबरन खेत में ले जाकर रेप किया। इसके बाद जब पीड़िता को 6 माह का गर्भ ठहर गया तो इस बात की जानकारी पीड़िता के परिजनों को हुई, जिसके बाद आनन-फानन में

आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इस बहादुर बेटी ने समाज से मिलने वाले ताने को दरकिनार करते हुए और भविष्य की चिंता किए बिना बच्चे को जन्म दिया।

भाई ने किया था रेप

वहीं दूसरी बेटी मुस्लिम समुदाय से आती है, जिसके साथ किसी और ने नहीं बल्कि उसके ही भाई ने बलात्कार कर डाला। आरोपी युवक पीड़ित बेटी के साथ एक ही घर में रहता था, और इसी बात का फायदा उठाकर आरोपी ने रेप किया। इस मामले में भी आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उसे जेल भेजा जा चुका है। दूसरी पीड़िता का मामला गोंडा जिले के खोड़ारे थाना से संबंधित है। इन दोनों नाबालिग बेटियों की डिलीवरी कैली अस्पताल में हुई है और दोनों जच्चा बच्चा सुरक्षित और खुशहाल है।

दोनों नाबालिग से हुई थी दरिंदगी

दरिंदगी का शिकार होने के बाद जब इन बच्चियों को गर्भ ठहरा, तो शायद शुरुआती महीनों में उन्हें यह तक समझ नहीं आया होगा कि उनके शरीर के भीतर क्या बदलाव हो रहे हैं। जब तक बात समझ आती, तब तक कानून और प्रकृति के चक्र ने उन्हें एक ऐसे मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया, जहां से पीछे हटने का कोई रास्ता नहीं था।

फिल्म पर रोक के लिए यादव महासभा का प्रदर्शन

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। कलेक्ट्रेट परिसर में मंगलवार को युवा यादव महासभा ने श्यादव जी की लव स्टोरी नामक फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की मांग करते हुए प्रदर्षन किया और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा । महासभा के पदाधिकारियों और सदस्यों का कहना है कि फिल्म का नाम और उसकी कथावस्तु यादव समाज की सामाजिक प्रतिष्ठा, सम्मान और भावनाओं को ठेस पहुंचा सकती है। इस विषय को लेकर समाज के विभिन्न वर्गों में गहरा रोष व्याप्त है।जिलाध्यक्ष उमा राज यादव ने बताया कि यादव समाज का देश के सामाजिक, राजनीतिक और सैन्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। ऐसे में किसी भी फिल्म या अन्य माध्यम से समाज की छवि को नकारात्मक रूप में प्रस्तुत करना अस्वीकार्य है।हम लोगो को आशंका है कि यदि फिल्म में आपत्तिजनक, भ्रामक या अपमानजनक सामग्री पाई जाती है, तो इससे सामाजिक सौहार्द बिगड़ने की संभावना है। इसको गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को निर्देशित किया जाए।कि फिल्म की सामग्री की जांच कर उचित कार्यवाही की जाए और जब तक जांच पूरी न हो, फिल्म के प्रदर्शन पर रोक लगाई जाए।अन्यथा हम लोग बड़े पैमाने प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे।

बरेली में वकील को पीटा... चैंबर में घुसकर फाइलें फाड़ीं, मौलाना के पीछे नमाज पढ़ने से इनकार करने पर लोगों ने किया हमला

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के हाफिजगंज थाना क्षेत्र में मारपीट का मामला सामने आया है, जिसमें सेंथल कस्बा निवासी वकील के साथ कथित तौर पर हमला किया गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने चार नामजद आरोपियों समेत कुल 54 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोप है कि मौलाना खुर्शीद के पीछे नमाज नहीं पढ़ने पर वकील को जान से मारने की धमकी दी।

पीड़ित वकील अख्तर अली ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि रविवार शाम वह अपने घर में बने चैंबर में काम कर रहे थे। उसी समय करीब 50 से अधिक लोग अचानक वहां पहुंच गए। आरोप है कि सभी लोग गाली-गलौज करते हुए चैंबर में घुस आए और उनसे मारपीट शुरू कर दी। विवाद की वजह यह है कि

अख्तर अली ने मौलाना खुर्शीद के पीछे नमाज पढ़ने से इनकार कर दिया था। अख्तर अली का आरोप है कि आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी। एक व्यक्ति ने उनका गला दबाने की कोशिश की, जिससे वह घबरा गए। मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने बीच-बचाव किया, तब जाकर किसी तरह उन्हें आरोपियों से छुड़ाया जा सका। पीड़ित ने बताया कि हमलावरों ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी और कहा कि आगे से उनकी बात नहीं मानी तो अंजाम बुरा होगा।

घटना के दौरान चैंबर में रखी कई जरूरी फाइलें और दस्तावेजों को भी नुकसान पहुंचाया गया। आरोप है कि कुछ लोगों ने फाइलें फाड़ दीं और सामान इधर-उधर कर दिया। इतना ही नहीं, चैंबर में आग लगाने की धमकी भी दी गई, जिससे पीड़ित और उनके परिवार के लोग काफी डर गए। घटना के बाद अधिवक्ता ने पुलिस से सुरक्षा की मांग भी की है।

50 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा

इस मामले में हाफिजगंज थाने में तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार, नामजद आरोपियों में भूरा उर्फ इरफान मियां, वसीम मनीदार, दानिश और मौलाना खुर्शीद शामिल हैं। इनके अलावा लगभग 50 अन्य अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया गया है।

थाना प्रभारी प्रवीण सोलंकी ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि घटना में जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। फिलहाल स्थित सामान्य है, लेकिन एहतियात के तौर पर इलाके पर नजर रखी जा रही है।

युवक ने गोली मारकर किया आत्महत्या

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जिले के जलालपुर थाना क्षेत्र के मझगवां खुर्द गांव में एक युवक द्वारा खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर लिया। मृतक की पहचान संजय यादव के रूप में हुई है, जिसने अपने लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद को गोली मार ली। घटना से पहले संजय यादव ने एक लाइव वीडियो रिकॉर्ड किया,वारयल भी कर दिया जिसमें उसने अपने भाई, पत्नी और बेटे पर गंभीर आरोप लगाए। वीडियो में उसने भाई और पत्नी के कथित अवैध संबंधों का जिक्र करते हुए यह भी कहा कि तीनों ने मिलकर उसके साथ मारपीट की, जिससे आहत होकर उसने यह कदम उठाने की बात कही।परिजनों के अनुसार, गोली चलने की आवाज सुनते ही घर के लोग कमरे की ओर दौड़े। दरवाजा खोलकर अंदर पहुंचे तो संजय को खून से लथपथ हालत में पड़ा देखकर सभी स्तब्ध रह गए। घटना के बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा वीडियो की सत्यता और परिस्थितियों की पड़ताल की जा रही है। घटना के बाद पूरे परिवार में शोक और मातम का माहौल है।

'रील डिलीट कर दो...' कानपुर में कॉन्स्टेबल ने ट्रांसजेंडर को किया किस, वीडियो वायरल होने पर जोड़े हाथ

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के ग्वालटोली थाना क्षेत्र से एक पुलिसकर्मी की ऐसी हरकत का वीडियो सामने आया है, जिसने पूरे विभाग को सवालों के घेरे में ला दिया है। दरअसल, कानपुर में ग्वालटोली क्षेत्र के प्रसिद्ध आनंदेश्वर मंदिर में आयोजित प्रीतिभोज के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में तैनात एक पुलिसकर्मी की अनुचित हरकत ने सोशल मीडिया पर तूफान खड़ा कर दिया है। मंदिर के पास पार्किंग क्षेत्र में गश्त कर रहे पुलिसकर्मियों के समूह के आगे-आगे चल रही एक ट्रांसजेंडर महिला ने रील बनाते हुए एक गाना छैला बाबू तू कैसा दिलदार निकला चोर समझी थी मैं, थानेदार निकला लगाया और रील बनानी शुरू कर दी। इसी दौरान एक कांस्टेबल ने अचानक उनके गाल पर चूम लिया। पूरा घटनाक्रम मोबाइल कैमरे में कैद हो गया।

ट्रांसजेंडर महिला ने उक्त वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट स्मार्टी कौशल पर अपलोड कर दिया। मात्र कुछ घंटों में वीडियो वायरल हो गया। इसे हजारों लोगों ने देखा और साथ ही हजारों लाइक्स, शेयर और दर्जनों कमेंट्स प्राप्त हुए। कई यूजर्स ने पुलिसकर्मी की इस हरकत की निंदा की और इसे महिला सम्मान के खिलाफ बताया।

वीडियो डिलीट करने का किया था आग्रह

वीडियो वायरल होते ही कांस्टेबल ने खुद को पहचानते हुए उसी अकाउंट पर कमेंट किया। उन्होंने लिखा, अरे सुनो, ये मैं ही हूं। मुझे बहुत प्रॉब्लम हो रही है। नौकरी पर बात आ गई है। प्लीज इसे डिलीट कर दो और मुझे मैसेज करो। जब महिला ने वीडियो नहीं हटाया तो कांस्टेबल ने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट sandeepkumar120799 डिलीट कर दिया। घटना रविवार को आनंदेश्वर मंदिर के पास हुई। मंदिर में हजारों श्रद्धालु प्रीतिभोज में शामिल होने पहुंचे थे। सुरक्षा के मद्देनजर ग्वालटोली थाने की पुलिस गश्त पर थी। ट्रांसजेंडर महिला गश्त दल के साथ चलते हुए रील बना रही थीं, तभी कांस्टेबल उनके निकट पहुंचा और चुम्बन कर लिया।

जांच के बाद होगी कार्रवाई

एसीपी अमित कुमार चौरसिया ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि संबंधित कांस्टेबल ग्वालटोली थाने में नियमित तैनात नहीं है। संभवतः वह अतिरिक्त ड्यूटी पर आया था। उन्होंने कहा, हम वीडियो की सत्यता और घटनास्थल की पुष्टि कर रहे हैं। संबंधित कर्मी की पहचान और पूरे मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। यदि दोषी पाया गया तो विभागीय कार्रवाई की जाएगी। यह घटना पुलिस महकमे में चर्चा का विषय बन गई है। सोशल मीडिया यूजर्स लगातार पूछ रहे हैं कि क्या महाशिवरात्रि जैसे पावन अवसर पर सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात कर्मियों का यह व्यवहार उचित है?

टीईटी अनिवार्यता को लेकर शिक्षकों ने किया विरोध

जौनपुर। विकासखंड बक्सा क्षेत्र के अंतर्गत पूरा हेमू विद्यालय में टी ई टी अनिवार्यता को लेकर शिक्षकों ने किया विरोध ।विद्यालय पर काली पट्टी बांधकर शिक्षकों ने टीईटी अनिवार्यता को लेकर विरोध प्रकट कर रहे हैं इसी क्रम मे प्राथमिक शिक्षा संघ कोषाध्यक्ष बक्सा श्यामलाल मौर्य, प्रधानाध्यापक राजेश सिंह , विनय यादव सच्चिदानंद , अंजली मोर्य, चंचला देवी, रेखा यादव ने कहा दिनांक 22 फरवरी 2026 के ट्विटर अभियान के पश्चात 23 फरवरी 26 से 25 फरवरी तक विद्यालयों में काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन एवं 26 फरवरी को बीएसए कार्यालय पर धरना प्रदर्शन बड़ी संख्या में शिक्षकों के साथ किया जाएगा तथा बीएसए कार्यालय से डीएम कार्यालय तक मार्च कर प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौपा जाएगा शिक्षकों की मांग है कि 29 जुलाई 2011 के पूर्व नियुक्ति सभी शिक्षकों को टीईटी से मुक्त रखा जाए 2017 के अमेंडमेंट बिल का संशोधन कर शिक्षकों की सेवाओं को संरक्षित किया जाए।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को फंसाने के लिए बनाया गया दबाव, शाहजहांपुर के पत्रकार ने लगाया ये आरोप

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर निवासी पत्रकार रमाशंकर दीक्षित सोमवार की देर शाम केदारघाट स्थित श्रीविद्या मठ पहुंचे और स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ एफआईआर की अर्जी देने वाले आशुतोष पांडेय पर गंभीर आरोप लगाए।

रमाशंकर ने कहा कि आशुतोष ने फोन किया और दबाव बनाते हुए शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को फंसाने के लिए कहा। कहा कि आरोप लगाओ कि बद्रीनाथ में अविमुक्तेश्वरानंद ने बच्ची का यौन शोषण किया था। तुम्हारा आर्थिक सहयोग किया जाएगा। हमने इन्कार कर दिया और कहा कि मेरे पिताजी दंडी संन्यासी थे इसलिए हमारी आत्मा गवाही नहीं दे रही है। इसपर आशुतोष ने धमकी देते हुए कहा कि अगर तुम हमारा साथ नहीं दोगे तो हमारे पास और रास्ते हैं।

यूपी पुलिस की जगह गैर भाजपा शासित राज्य की पुलिस से कराएं जांच: स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

उधर, केदारघाट स्थित श्रीमठ में पत्रकारों से बातचीत के दौरान शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि मेरे ऊपर लगे आरोपों की जांच यूपी पुलिस की जगह गैर भाजपा शासित राज्य की पुलिस से कराई जाए क्योंकि जनता को यूपी पुलिस पर भरोसा नहीं है। जांच में सहयोग के लिए तैयार हैं। जांच शुरू हो और जल्दी सच सामने आए। इससे झूठ बोलने वाले बेनकाब होंगे।

गर्मी में भी हरा-भरा रहेगा स्ट्रॉबेरी का पौधा...बसंत उत्सव में किसान ने दिए टिप्स

स्ट्रॉबेरी का पौधा घर में भी उगा सकते हैं। बस आपको इसकी सही जानकारी होना जरूरी है। जैसे किस मौसम में प्लांट को रोपना चाहिए। गर्म मौसम में इसकी देखभाल कैसे करें और इसकी हार्वेस्टिंग कब की जाती है। इन्हीं सारे सवालों के जवाब मिले हमें नोएडा में चलने वाले बसंत उत्सव में। तो चलिए डिटेल में जान लेते हैं।

स्ट्रॉबेरी की कीमत मार्केट में काफी ज्यादा रहती है, क्योंकि इसे ज्यादातर ठंडे इलाकों में उगाया जाता है। स्वाद के साथ ही ये न्यूट्रिएंट्स से भी भरपूर है। ये भी एक वजह है कि इसकी कीमत ज्यादा होती है। मैदानी इलाकों में भी अब लोग इसे उगाने लगे हैं, लेकिन गर्मी के मौसम में ये पौधा मुरझाकर सूखने लगता है। नोएडा में के सेक्टर 33 के शिवालिक पार्क में 38वां फ्लावर शो (बसंत उत्सव) ऑर्गेनाइज किया गया है, जिसमें कई किसानों ने अपने स्टॉल्स लगाए हैं। इसमें फूलों से लेकर फलों तक के अनगिनत वैरायटी के पौधे हैं तो वहीं फ्लावर और सब्जियों से बड़े-बड़े स्ट्रक्चर भी बनाए गए हैं। टीवी 9 से बात करते हुए किसान सुनील पटेल ने स्ट्रॉबेरी के पौधे की देखभाल से जुड़े कुछ टिप्स दिए हैं।

नोएडा बसंत उत्सव में शामिल होना और यहां पर विजिट करना उन लोगों के लिए बेहद खास है जो नेचर लवर हैं। नेचुरल व्यू की फोटो या वीडियो बनाने का शौक रखते हैं। फूलों, फलों और सब्जियों या फिर किसी भी वैरायटी के प्लांट के बारे में जानकारी चाहते हैं और बागवानी का शौक है। अगर आप यहां नहीं जा पाए हैं तो कोई बात नहीं यहां पर हम आपको बताएंगे कि स्ट्रॉबेरी का पौधा उगाने के लिए किन बातों को ध्यान में रखना चाहिए जो खुद फार्मर ने शेयर की है।

गर्मी में स्ट्रॉबेरी प्लांट की केयर

अगर आप गर्म जगह यानी मैदानी इलाके में स्ट्रॉबेरी प्लांट को उगाना चाहते हैं तो आपको इसे गर्मी से बचाए रखने के लिए इंतजाम करने होंगे। अगर आप गार्डन में इसे जमीन में लगा रहे हैं या फिर गमलों में भी उगाना तो शेड

होना जरूरी है ताकि पौधा सीधी धूप से बचा रहे। आप गमलों को इंडोर एरिया में रख सकते हैं। सुनील पटेल कहते हैं कि आपको पौधे को गर्मी से बचाने के लिए फागर सिस्टम या मिस्टिंग सिस्टम लगाना पड़ेगा। इससे पौधों पर कुछ-कुछ देर में पानी की फुहारे पड़ती रहती है।ये आधे-आधे घंटे में टेम्परेचर मेंटेन करता रहता है। इससे आद्रता बनाए रखने और पौधे के अनुसार जगह को ठंडा रखने में मदद मिलती है। घर में भी एक छोटा पॉली हाउस लगाया जा सकता है। आप इसे नेट या प्लास्टिक दोनों तरह से बना सकते हैं। Strawberry Plant Growing Tips

नर्सरी से लाकर कैसे लगाएं प्लांट?

क्या स्ट्रॉबेरी प्लांट को नर्सरी से सीधे लाकर गमले में लगाया जा सकता है या फिर मिट्टी चेंज करने की जरूरत होती है या फिर आप नर्सरी वाले गमले में ही इसे उगा सकते हैं। इस पर सुनील पटेल कहते हैं कि आप इस पौधे को नर्सरी के गमले में भी लगा सकते हैं और जमीन में भी रोप सकते हैं। जमीन में लगाएंगे तो ये ज्यादा अच्छी तरह से ग्रो होगा।

पौधे को कीड़ों से कैसे बचाएं?

फार्मर सुनील कहते हैं कि स्ट्रॉबेरी के पौधे में कीड़े लग जाते हैं, जिससे इसे बचाना बहुत जरूरी होता है। इसके लिए आप NPK डाल सकते हैं। इसके लिए 20/22 NPK सही रहता है। इसके अलावा आप इसपर किसी भी तरह के कीटनाशक स्प्रे का छिड़काव कर सकते हैं। आप ये मार्केट से भी ले सकते हैं या फिर कुछ नेचुरल चीजों से ऑर्गेनिक बना लें।

सिर्फ इतने दिनों में मिलेंगे फल

स्ट्रॉबेरी एक ऐसा पौधा है जिसमें सिर्फ 2 महीने में ही फल आने लगते हैं। इसके हार्वेस्टिंग टाइम की बात करें तो आपने किस मौसम में ये पौधा लगाया है और कब फल पूरी तरह से पक गए हैं ये इस बात पर निर्भर करता है। फार्मर का कहना है कि स्ट्रॉबेरी का पौधा हमेशा सर्दियों में ही लगाना चाहिए जैसे नवंबर मिड से लेकर आप दिसंबर की शुरुआत में स्ट्रॉबेरी का पौधा लगा लें तो जनवरी तक ये ग्रो हो जाता है और फरवरी में इसपर फल लग जाते हैं।

त्योहारी सीजन में नहीं होगा फालतू खर्चा, जान लें पैसे बचाने के ये आसान टिप्स

फेस्टिव सीजन में बहुत सारी ऐसी चीजें होती हैं कि कई बार फालतू खर्चा हो भी जाता है। इसी वजह से पूरे महीने का बजट बिगड़ जाता है। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो कुछ सिंपल से टिप्स को ध्यान में रखकर त्योहार के टाइम भी पैसों की बचत की जा सकती है और आप अपने बजट को गड़बड़ाने से बचा सकते हैं

बजट-लिस्ट बनाना है जरूरी

त्योहारी सीजन में शॉपिंग करने से पहले ये बहुत जरूरी है कि आप एक रफ बजट तैयार करें। जैसे कितने में आपको त्योहार से जुड़ी शॉपिंग करनी है और कितने में ग्रॉसरी का जरूरी सामान खरीदना है। इन सारी चीजों की आप एक लिस्ट बना लें ताकि खरीदारी करने के दौरान कन्फ्यूजन क्रिएट न हो और आप एक्स्ट्रा सामान खरीदने से बच जाएं।

ऑफर्स पर करें फोकस

त्योहार के टाइम पर बहुत सारे ऑफर्स अवेलेबल होते हैं। इसके लिए आप ऑनलाइन और ऑफलाइन मिलने वाले ऑफर्स और सेल की तुलना कर सकते हैं। आपको जहां पर भी सस्ता मिले वहां से खरीदें। आपके पास काड्र्स हैं या फिर शॉपिंग के रिवाड्र्स पड़े हुए हैं तो उनका यूज करने का यही सही समय होता है जब आपको ढेर सारी शॉपिंग करने की जरूरत हो।

DIY सजावट करना है बेहतर

त्योहार पर घर को सजाना हो तो इसके लिए जरूरी नहीं है आप अपने बजट का एक बड़ा हिस्सा खर्च कर दें। आप DIY डेकोरेशन पर फोकस करें। इससे आपकी क्रिएटिविटी देख मेहमानों की तारीफ भी मिलेगी और आपका फालतू खर्च भी नहीं होगा। दरअसल DIY डेकोरेशन में आप घर में ही पड़ी कई चीजों को रीयूज कर सकते हैं।

जरूरी चीजें खरीदने पर दें ध्यान

अक्सर हम ये गलती करते हैं कि जैसे ही कोई चीज खरीदने का दिमाग में आया या फिर कुछ पसंद आ गया तो हम खरीदने चले जाते हैं। खासतौर पर त्योहारी सीजन में मार्केट की कई चीजें अट्रैक्ट करती हैं। इससे आपका बजट खराब हो सकता है। जरूरी है कि आप कोई भी चीज खरीदने से पहले कम से कम एक दिन का समय लें। इससे आप समझ पाएंगे कि ये आपके लिए खरीदना सही है या फिर नहीं है। त्योहार के वक्त पैसा बचाना जरूरी होता है, इसलिए हमेशा जरूरी चीजों के खरीदने पर फोकस करना चाहिए।

स्मार्ट गिफ्टिंग अपनाएं

फेस्टिवल पर अक्सर तोहफे दिए जाते हैं। इसमें भी काफी ज्यादा खर्चा हो जाता है। आप इसके लिए स्मार्ट गिफ्टिंग के तरीके अपनाएं। जैसे अपने हाथों से आप कुछ अच्छे क्राफ्ट बनाकर किसी को गिफ्ट कर सकते हैं। इसमें पैसे भी कम लगते हैं। ये आपसे प्यार करने वालों को पसंद भी आते हैं, क्योंकि इसमें आपका एफर्ट और प्यार दिखता है। फैमिली मेंबर्स के लिए आप ऐसे गिफ्ट चुनें जो उनके काम आएं। इससे आपका बाद का खर्च बच जाता है।

मिट्टी के बर्तन साफ करने में ज्यादातर लोग करते हैं ये एक गलती, शेफ ने बताया सही तरीका

मिट्टी के बर्तनों में खाना बनाना मॉर्डन लाइफस्टाइल में भी लोगों के बीच पॉपुलर हो गया है, लेकिन यूज करने के बाद मिट्टी के बर्तनों को साफ करने का तरीका नॉर्मल मेटल के बर्तनों को धोने से बिल्कुल अलग होता है। एक ऐसी गलती है जो ज्यादातर लोग मिट्टी के बर्तन साफ करने में करते हैं। जान लें इसका सही तरीका क्या है।

मिट्टी के बर्तनों में खाना बनाने के सेहत को भी कई फायदे माने जाते हैं, दरअसल ये खाने को क्षारीय (alkaline)बनाने में मदद करते हैं जो आपके डाइजेशन के अच्छा रहता है। पहले के टाइम में ज्यादातर मिट्टी के बर्तनों को ही खाना बनाने से लेकर खाने तक में इस्तेमाल किया जाता था। समय बदलने के साथ ही किचन भी अपडेट होती गई और धीरे-धीरे कांच, सिरेमिक, स्टील तांबा, पीतल के बर्तन इस्तेमाल किए जाने लगे। मॉर्डन लाइफस्टाइल में नॉनस्टिक बर्तनों का यूज भी काफी ज्यादा किया जाता है, लेकिन अब लोग फिर से मिट्टी के बर्तनों में खाना बनाने लगे हैं, हालांकि अब मिट्टी के जो बर्तन मार्केट से खरीदे जाते हैं वो काफी अलग होते हैं। इनको खाना पकाने के बाद कैसे साफ करना है ये आपको पता होना बहुत जरूरी है।

मिट्टी के बर्तन में कुकिंग करने से जुड़ी कुछ बातें आपको जरूर पता होना चाहिए, जैसे नया मिट्टी का बर्तन इस्तेमाल कर रहे हैं तो इसकी सफाई कैसे करें। इसी तरह से खाना बनाने के बाद इसकी क्लीनिंग का सही मेथड भी आपको पता होना चाहिए। शेफ पंकज भदौरिया से जान लेते हैं कि मिट्टी के बर्तनों को क्लीन करने में कौन सी गलती आप करते हैं।

बर्तन साफ करने में ये गलती न करें

मिट्टी के बर्तन साफ करने में लोग सबसे बड़ी गलती करते हैं कि इसे डिटर्जेंट, डिशवॉश वार या लिक्विड से क्लीन करते हैं, लेकिन मिट्टी के बर्तन कभी भी डिटर्जेंट या इससे जुड़े किसी प्रोडक्ट से साफ नहीं करने चाहिए। दरअसल शेफ पंकज भदौरिया कहती हैं कि ये पोरिस होता है और ये केमिकल को अब्जॉर्ब कर सकता है।

कैसे साफ करें मिट्टी के बर्तन?

सवाल उठता है कि मिट्टी के बर्तन अगर हम डिशवॉश साबुन या लिक्विड से साफ नहीं कर सकते हैं तो इसमें मौजूद गंदगी और चिकनाई को कैसे हटाएं। शेफ पंकज भदौरिया ने उसका तरीका भी बताया है। सबसे पहले बर्तन में पानी भरें और फिर इसमें नींबू के टुकड़े डालकर गर्म कर लें। इससे इसकी चिकनाई हट जाएगी।

जब पानी अच्छी तरह से गर्म हो जाए तो गैस को बंद कर दें और पानी को निकाल दें। आप देखेंगे कि मिट्टी का बर्तन काफी हद तक साफ हो चुका है। अब आपको इसमें आप थोड़ा सा नमक और चावल का आटा डालें। एक क्लीन स्क्रबर लेकर आप पूरे बर्तन को अच्छी तरह से साफ कर लें। बर्तन को सूती कपड़े से अच्छी तरह पोंछ लें और फिर इसे कुछ देर धूप में रखें। बस इस तरह से आप सिंपल स्टेप्स में मिट्टी के बर्तन साफ कर सकते हैं।

नया बर्तन यूज करने के टिप्स

मिट्टी का नया बर्तन यूज करने से पहले भी कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी होता है, नहीं तो इससे आपका खाना कसैला हो सकता है, क्योंकि इसमें रेत और मिट्टी के कण होते हैं। इसके अलावा बर्तन टूटने का भी डर रहता है। जान लें कि मिट्टी के बर्तन में खाना बनाने से पहले किन बातों को ध्यान में रखना जरूरी होता है।

बर्तन में पानी भरकर रखें: नया मिट्टी का बर्तन यूज करना है तो एक दिन पहले रात में इसमें पानी भरकर रख दें। इससे बर्तन पानी सोख लेगा और खाना बनाने के दौरान आपको परेशानी नहीं होगी। इसके अलावा इसमें जमा कच्ची मिट्टी भी हट जाती है।

बर्तन को करें पक्का: मिट्टी का बर्तन यूज करने से पहले इसे पक्का करना जरूरी होता है। दरअसल वैसे तो इसे पकाया ही जाता है, लेकिन फिर भी गर्माहट से इसके चटखने का डर बना रहता है। इसके लिए आप पानी निकालकर मिट्टी के बर्तन को नमक डालकर साफ कर लें। इसे 2-3 घंटे धूप दिखाएं और सूखने के बाद अंदर-बाहर दोनों तरफ सरसों का तेल ग्रीस करें। गैस ऑन करके बर्तन को बिल्कुल धीमी आंच पर रखें। इसे 5 से 7 मिनट गर्म होने दें। इस तरह ये पक जाएगा और खाना बनाते वक्त फटता नहीं है।

दिवालियापन की कगार पर अरबों की कंपनी : कैसे बर्बाद हुई बायजू? क्या कर्ज, कुप्रबंधन और मुकदमों ने किया कंगाल?

नई दिल्ली, एजेंसी। कभी 22 अरब डॉलर के वैल्यूएशन पर खड़ी रही भारत की दिग्गज एड-टेक कंपनी बायजूस आज गहरे वित्तीय और कानूनी संकट से जूझ रही है। बायजू अब कर्ज, मुकदमों, दिवालियापन की कार्यवाही और कथित तौर पर गायब 533 मिलियन डॉलर के विवाद के बीच बिखरता नजर आ रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह गिरावट भारत और अमेरिका दोनों महाद्वीपों में चल रही कानूनी लड़ाइयों, वित्तीय अनियमितताओं और आक्रामक विस्तार रणनीति के कारण तेज हुई।

शिखर से संकट तक की कहानी

2022 में कोविड-काल के दौरान ऑनलाइन शिक्षा की भारी मांग के चलते बायजू का वैल्यूएशन 22 अरब डॉलर (1.98 लाख करोड़ रुपये) तक पहुंच गया था और कंपनी ने वैश्विक विस्तार, बड़े अधिग्रहण और ब्रांडिंग पर भारी निवेश किया। हालांकि महामारी के बाद सस्ती फंडिंग कम हुई, लागत बढ़ी और निवेशकों का भरोसा डगमगाने लगा, जिससे कंपनी का वित्तीय ढांचा कमजोर पड़ता गया।

कैसे शुरू हुआ संकट?

बायजू की मुश्किलें 2023 में तब तेज हुईं जब ऑनलाइन शिक्षा की मांग में गिरावट आई और बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ गई। इसी दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (FEMA) के तहत कंपनी के दफ्तरों पर छापे मारे और लगभग ₹9,362 करोड़ के कथित उल्लंघन का नोटिस जारी किया। इसके साथ ही कंपनी के ऊपर कर्ज का दबाव भी बढ़ता गया। नवंबर 2021 में लिए गए 1.2 अरब डॉलर के टर्म लोन पर बायजूस कथित तौर पर तिमाही ब्याज भुगतान (करीब ₹330 करोड़) करने में चूक गया, जिसके बाद विदेशी लेंडर्स ने अमेरिका में मुकदमा दायर किया। जवाब में कंपनी ने भी लेंडर्स पर समय से पहले भुगतान की मांग तेज करने का आरोप लगाते हुए कानूनी कार्रवाई की।

बोर्ड से इस्तीफे और ऑडिटर का हटना

वित्तीय अनिश्चितता के बीच 2023 में कंपनी से कई हाई-प्रोफाइल एग्जिट हुए। बोर्ड के तीन निदेशकों जीवी रवि शंकर, रसेल ड्रेसेनस्टॉक और विवियन वू ने इस्तीफा दे दिया। इसके अलावा कंपनी के वित्तीय ऑडिटर डेलॉइट ने भी पद छोड़ दिया, जिससे पारदर्शिता को लेकर सवाल और गहरे हुए।

अमेरिकी कोर्ट का बड़ा झटका

नवंबर 2023 में एक अमेरिकी अदालत ने लेंडर्स के पक्ष में फैसला देते हुए कहा कि 1.2 अरब डॉलर का कर्ज लेने वाली विशेष इकाई (SPV) में लेंडर्स द्वारा निदेशक नियुक्त करना उचित था। अदालत ने सीईओ के भाई रिजु रवींद्रन को एसपीवी बोर्ड से हटाने के फैसले को भी सही ठहराया। रिपोर्ट के मुताबिक, दिसंबर 2025 में अमेरिकी अदालत ने विवादित 533 मिलियन डॉलर से जुड़े मामले में लगभग 1.07 अरब डॉलर का डिफॉल्ट जजमेंट जारी किया, जिसने कंपनी के संकट को निर्णायक मोड़ दे दिया। इसके साथ ही क्रेडिटर्स ने कंपनी के सह-संस्थापकों पर फंड के दुरुपयोग और छिपाने के आरोप लगाते हुए कानूनी कार्रवाई तेज कर दी।

भारत में भी बढ़ी मुश्किलें

अमेरिका के साथ-साथ भारत में भी कंपनी पर दबाव बढ़ा। बीसीसीआई के बकाया भुगतान को लेकर मामला एनसीएलटी तक पहुंचा और 2024 में दिवालियापन से जुड़ी कार्यवाही शुरू हुई। इस दौरान बड़े पैमाने पर छंटनी हुई और कर्मचारियों की संख्या 2022 के लगभग 60,000 से घटकर 2024 तक करीब 14,000 रह गई।

आक्रामक विस्तार और लागत नियंत्रण की कमी का आरोप

पूर्व अधिकारियों के अनुसार, कंपनी ने अधिग्रहण और ब्रांडिंग पर अत्यधिक खर्च किया, जबकि लागत नियंत्रण और स्थायी राजस्व मॉडल पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। कई फैसले अत्यधिक आशावाद के आधार पर लिए गए, जिससे नकदी संकट गहराता गया।

निवेशकों का भरोसा टूटा, वैल्यूएशन ढहा

लगातार गिरते वैल्यूएशन और कानूनी दबाव के बीच कंपनी अब करीब 200 मिलियन डॉलर की नई फंडिंग जुटाने की कोशिश कर रही है, जिसकी संभावित वैल्यूएशन मात्र 250 मिलियन डॉलर बताई जा रही है। लगातार घाटे, देरी से वित्तीय खुलासे और कॉर्पोरेट गवर्नेंस से जुड़े सवालों ने निवेशकों का विश्वास कम किया। कुछ शुरुआती निवेशकों ने ऊंचे वैल्यूएशन पर अपनी हिस्सेदारी बेच दी, जबकि अन्य को भारी नुकसान उठाना पड़ा।

फोन पे और पेटीएम जैसे ऐप कैसे करते हैं कमाई, जब यूपीआई है फ्री?

बर्नस्टीन के मुताबिक यूपीआई ऐप्स का FY25 में नेट रेवेन्यू 15,000 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। यूपीआई पेमेंट में तो पैसा लगता नहीं है तो ये फोन पे और पेटीएम जैसे ऐप्स कमाई कैसे करते हैं? आइए इसी सवाल का जवाब तलाशते हैं।

पेमेंट के लिए अब यूपीआई एक पॉपुलर तरीका बन गया है। लोग छोटी-छोटी पेमेंट करने के लिए भी यूपीआई बेस्ड ऐप ऐसे फोन पे और पेटीएम का इस्तेमाल करते हैं। फाइनेंस मिनिस्ट्री की एक हालिया रिपोर्ट में बताया गया है कि यूपीआई ट्रांजैक्शन अब पेमेंट का सबसे पसंदीदा तरीका बन गया है और यह 57% पेमेंट के लिए जिम्मेदार है।

बर्नस्टीन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यूपीआई कुल कैशलेस पेमेंट वॉल्यूम का लगभग 90% और वैल्यू का 70% से ज्यादा हिस्सा रखता है। फिर भी एक सवाल उठता है कि अगर ज्यादातर यूपीआई ट्रांजैक्शन में जीरो मर्चेंट डिस्काउंट रेट (MDR) है, तो पेमेंट प्लेटफॉर्म पैसा कमाते कहां से हैं?

पेमेंट प्लेटफॉर्म को फंडिंग कहां से मिल रही है?

रिपोर्ट में कहा गया है कि कैशलेस पेमेंट अब भारत में लोगों के कुल खर्च का लगभग 50% बन चुका है। लेकिन जब आप यूपीआई ट्रांज़ैक्शन करते हैं तो कोई फीस नहीं देनी पड़ती। 2020 से यूपीआई ट्रांजैक्शन पर जीरो MDR है। इसके अलावा, रिपोर्ट बताती है कि पीयर-टू-पीयर (P2P) यानी व्यक्ति से व्यक्ति के बीच होने वाले ट्रांजैक्शन, कुल वॉल्यूम का बड़ा हिस्सा हैं, लेकिन कमाई में इनका हिस्सा 10% से भी कम है। इन ट्रांजैक्शन से बैंकों और ऐप कंपनियों के बीच एक छोटी तय फीस बंटती है, जो ट्रांजैक्शन वैल्यू का लगभग 0.30.4 बेसिस पॉइंट होती है।

15,000 करोड़ रुपये का नेट रेवेन्यू पूल

बर्नस्टीन के मुताबिक, Paytm और PhonePe जैसे प्लेटफॉर्म के लिए कमाई का

मॉडल हाल के सालों में काफी बेहतर हुआ है। FY25 में करीब 15,000 करोड़ रुपये का अनुमानित नेट रेवेन्यू पूल दिख रहा है, जो लगभग 2,50,000 करोड़ रुपये के ग्रॉस रेवेन्यू पूल से निकलता है। 2,50,000 करोड़ रुपये का ग्रॉस आंकड़ा यानी पेमेंट से कमाया गया कुल पैसा। टेक्नोलॉजी और बैंकिंग फीस जैसी प्रोसेसिंग लागत घटाने के बाद करीब 15,000 करोड़ रुपये की शुद्ध कमाई बचती है। सीधे शब्दों में कहें तो, बिना लेंडिंग या फाइनेंशिल डिस्ट्रीब्यूशन के भी, सिर्फ पेमेंट से ही अच्छा-खासा स्केल बन रहा है।

रेवेन्यू का 75% हिस्सा व्यापारियों से

रिपोर्ट की सबसे अहम बात ये है कि कमाई का बड़ा स्रोत व्यापारी हैं। हालांकि, कंज्यूमर ट्रांजैक्शन की संख्या ज्यादा है, लेकिन कुल कमाई में व्यापारी भुगतानों का योगदान लगभग 75% है।

किन सेक्टर से बढ़ रही है कमाई?

Credit Card Processing- क्रेडिट कार्ड से खर्च हर साल 20% से ज्यादा बढ़ रहा है। क्रेडिट कार्ड ट्रांजैक्शन पर आम यूपीआई डेबिट ट्रांजैक्शन से ज्यादा फीस मिलती है। इसलिए जब ग्राहक क्रेडिट कार्ड यूज करते हैं, तो प्लेटफॉर्म ज्यादा कमाई करते हैं।

Bill Payments- भारत बिल भुगतान प्रणाली (BBPS) ने FY25 में 10 ट्रिलियन रुपये से ज्यादा का ट्रांजैक्शन प्रोसेस किया, जो पिछले साल से लगभग 80% ज्यादा है। साधारण यूपीआई ट्रांसफर के मुकाबले, बिल पेमेंट पर प्लेटफॉर्म 8-10 बेसिस पॉइंट तक कमा लेते हैं।

POS मशीन और Soundbox- POS मशीन और साउंडबॉक्स जैसे डिवाइस भी कमाई का स्थिर जरिया बन गए हैं। ये मरचेंट से किराया के तौर पर पैसा कमाते हैं। FY25 में इनसे करीब 2,000 करोड़ रुपये की आय हुई।

मार्जिन कैसे बढ़ रहे हैं?

बर्नस्टीन के मुताबिक, कुल मिलाकर शुद्ध पेमेंट मार्जिन ट्रांजैक्शन वैल्यू का लगभग 56 बेसिस पॉइंट है। जिन प्लेटफॉर्म का merchant mix मजबूत है, वे 815 बेसिस पॉइंट तक कमा लेते हैं। यही वजह है कि कुछ प्लेटफॉर्म कम ट्रांजैक्शन वैल्यू प्रोसेस करने के बावजूद ज्यादा रेवेन्यू बना लेते हैं।

Credit mix से और बढ़ेगा फायदा

अगले 5 सालों में शुद्ध रेवेन्यू लगभग 20% सालाना की दर से बढ़कर FY30 तक 38,500 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। फिलहाल क्रेडिट बेस्ड पेमेंट कुल कैशलेस पेमेंट वैल्यू का करीब 20% है। FY30 तक यह कम से कम 25% हो सकता है। क्रेडिट हिस्सेदारी में 5% बढ़ोतरी से उद्योग के मार्जिन में लगभग 0.7 बेसिस पॉइंट की बढ़त हो सकती है। यूपीआई पर आधारित रुपे क्रेडिट कार्ड भी तेजी से बढ़ रहे हैं। अभी ये कुल क्रेडिट कार्ड ट्रांजैक्शन वॉल्यूम का लगभग 40% और वैल्यू का करीब 8% हिस्सा हैं।

क्रेडिट से होती है असली कमाई

करीब 15,000 करोड़ रुपये के बड़े निवेश के बाद भी, प्रति यूजर कमाई कम है। पेमेंट प्लेटफॉर्म एक ग्राहक से सालाना 300 रुपये से भी कम कमाते हैं और मुनाफा 150 रुपये से कम रहता है। तुलना के लिए, SBI Cards and Payment Services अपने सक्रिय कार्ड पर टैक्स से पहले लगभग 2,000 रुपये का फायदा कमाती है।

ट्रंप की बढ़ेगी परेशानी, टैरिफ से वसूली गई रकम वापस करने की मांग को लेकर डेमोक्रेट्स ने खोला मोर्चा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा ट्रंप सरकार के टैरिफ को अवैध बताने के बाद अब सवाल उठ रहा है कि ट्रंप प्रशासन ने अभी तक जो 175 अरब डॉलर टैरिफ से वसूले हैं, उन्हें क्या वापस किया जाएगा? अब विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने इस टैरिफ को वापस करने की मांग को लेकर ट्रंप सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सीनेट के तीन डेमोक्रेट सांसदों ने सरकार से लगभग 175 अरब अमेरिकी डॉलर की टैरिफ आय वापस करने की मांग की है।

ओरेगन के सीनेटर रॉन वाइडन, मैसाचुसेट्स के एड मार्की और न्यू हैम्पशायर की जीन शहीन ने सोमवार को एक विधेयक पेश किया। इस विधेयक के तहत अमेरिकी कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन को 180 दिनों के भीतर रिफंड जारी करना होगा और लौटाई जाने वाली राशि पर ब्याज भी देना होगा। प्रस्ताव में छोटे व्यवसायों को प्राथमिकता देने की मांग की गई है और आयातकों, थोक विक्रेताओं तथा बड़ी कंपनियों से अपील की गई है कि वे यह राशि अपने ग्राहकों तक पहुंचाएं। वाइडन ने कहा, 'ट्रंप के अवैध टैरिफ ने अमेरिकी परिवारों, छोटे व्यवसायों और उत्पादकों को गहरी क्षति पहुंचाई है, जो नए-नए टैरिफ की मार झेलते रहे हैं।' उन्होंने जोर देते हुए कहा कि समस्या के समाधान की सबसे पहली कड़ी यह है कि जितनी जल्दी हो सके छोटे व्यवसायों और निर्माताओं की जेब में पैसा वापस डाला जाए।

हालांकि इस विधेयक के पारित होने की संभावना कम है, लेकिन इससे यह संकेत मिलता है कि डेमोक्रेट्स अब ट्रंप प्रशासन पर सार्वजनिक दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को 6-3 के बहुमत से फैसला सुनाया था, लेकिन ट्रंप प्रशासन टैरिफ राजस्व लौटाने में खास दिलचस्पी नहीं दिखा रहा है।

आगामी नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले डेमोक्रेट्स जनता से कह रहे हैं कि ट्रंप ने अवैध रूप से कर बढ़ाए और अब अमेरिकी लोगों को वह पैसा लौटाने से इनकार कर रहे हैं।

शहीन ने कहा कि टैरिफ के कारण बढ़ी कीमतों से हुए नुकसान की भरपाई की शुरुआत राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा अवैध रूप से वसूले गए टैरिफ करों की वापसी से होनी चाहिए। वहीं मार्की ने कहा कि छोटे व्यवसायों के पास बहुत कम या कोई संसाधन नहीं होते और रिफंड की प्रक्रिया उनके लिए बेहद जटिल और समय लेने वाली हो सकती है।

ट्रंप प्रशासन ने कहा- उनके हाथ बंधे हुए हैं

ट्रंप प्रशासन का कहना है कि उसके हाथ बंधे हुए हैं, क्योंकि किसी भी रिफंड का फैसला आगे की अदालती कार्यवाही के जरिए ही होना चाहिए।

जब व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई से पूछा गया कि क्या ट्रंप मानते हैं कि कांग्रेस को रिफंड प्रक्रिया में भूमिका निभानी चाहिए, तो उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप ने टैरिफ के जरिए वह कर दिखाया, जिसकी बात डेमोक्रेट्स सिर्फ करते रहे। इसलिए स्वाभाविक है कि डेमोक्रेट्स राष्ट्रपति ट्रंप और अमेरिकी जनता को कमजोर करने के लिए सक्रिय हो रहे हैं। यह दयनीय है, लेकिन इसमें हैरानी भी नहीं होनी चाहिए।'

कनाडाई पीएम कार्नी के भारत दौरे से पहले कनाडा का सख्त कदम, तहव्वुर राणा की नागरिकता रद्द करने की तैयारी

ओटावा, एजेंसी। भारत दौरे से पहले कनाडा सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान मूल के कारोबारी तहव्वुर राणा की कनाडाई नागरिकता रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। राणा पर 2008 के मुंबई आतंकी हमले में अहम भूमिका निभाने का आरोप है। यह कार्रवाई ऐसे समय में हो रही है, जब कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की भारत यात्रा प्रस्तावित है।

राणा 64 वर्ष का है और 1997 में कनाडा गया था। उसने 2001 में कनाडाई नागरिकता हासिल की थी। वह 26/11 हमले के मुख्य साजिशकर्ता डेविड कोलमैन हेडली उर्फ दाऊद गिलानी का करीबी सहयोगी माना जाता है। अप्रैल 2025 में उसे अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित किया गया था। नई दिल्ली पहुंचते ही राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने उसे गिरफ्तार कर लिया था।

नागरिकता रद्द करने की वजह

कनाडा के आव्रजन विभाग ने साफ किया है कि राणा की नागरिकता आतंकवाद के आरोप में नहीं, बल्कि गलत जानकारी देने के आधार पर रद्द की जा रही है। विभाग के मुताबिक, राणा ने अपने आवेदन में झूठ बोला था। उसने दावा किया था कि वह चार साल तक ओटावा और टोरंटो में रहा और सिर्फ छह दिन देश से बाहर गया।

जांच में खुलासा

रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस की जांच में सामने आया कि राणा उस अवधि में ज्यादातर समय शिकागो में था। वहां उसके कई कारोबार और संपत्तियां थीं। जांच एजेंसियों ने इसे गंभीर और जानबूझकर किया गया धोखा बताया। विभाग ने कहा कि इस गलत जानकारी के कारण उसे नागरिकता मिल गई, जबकि वह पात्र नहीं था।

मामला फेडरल कोर्ट में

कनाडा सरकार ने इस मामले को फेडरल कोर्ट में भेज दिया है। अंतिम फैसला अदालत ही करेगी। राणा के वकील ने इस फैसले को चुनौती दी है और कहा है कि यह उसके अधिकारों का उल्लंघन है। पिछले सप्ताह इस मामले में सुनवाई भी हुई। सरकार ने अदालत से कुछ संवेदनशील राष्ट्रीय सुरक्षा जानकारी सार्वजनिक न करने की अनुमति मांगी है।

आव्रजन विभाग ने कहा कि नागरिकता रद्द करना आसान फैसला नहीं होता, लेकिन कानून की साख बनाए रखना जरूरी है। विभाग के अनुसार, पिछले दस वर्षों में ऐसे बहुत कम मामले सामने आए हैं। अब फेडरल कोर्ट तय करेगा कि राणा ने नागरिकता धोखे से हासिल की या नहीं।

अमेरिका में बर्फीले तूफान का कहर, 10,000 से अधिक उड़ानें रद्द ; कई राज्यों में आपातकाल घोषित

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के उत्तरपूर्वी हिस्से में एक शक्तिशाली बर्फीले तूफान ने कहर बरपाया है। मैरीलैंड से लेकर मेन तक के इलाके भारी बर्फ की चादर में ढक गए हैं। इस भीषण मौसम के कारण शनिवार से मंगलवार के बीच 10,000 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। अकेले सोमवार को 5,000 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुईं और मंगलवार के लिए 1,300 से अधिक उड़ानें पहले ही रद्द कर दी गई हैं, जिससे हजारों यात्री फंस गए हैं। न्यूयॉर्क के जेएफके, लागुआर्डिया और बोस्टन के लोगान एयरपोर्ट सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं।

मौसम वैज्ञानिकों ने इसे एक दशक का सबसे शक्तिशाली तूफान बताया है, जिसे 'बम चक्रवात' कहा जा रहा है। 'बम चक्रवात तब होता है जब 24 घंटे की अवधि में तूफान का दबाव एक निश्चित मात्रा में गिर जाता है। यह मुख्य रूप से शरद ऋतु और सर्दियों में होता है जब आर्कटिक की बर्फीली हवा दक्षिण तक पहुंचकर गर्म तापमान से टकराती है।' कई इलाकों में दो फीट (60 सेंटीमीटर) से ज्यादा बर्फबारी हुई है। रोड आइलैंड के वारविक में तो तीन फीट से ज्यादा बर्फ गिरी है। तेज हवाओं और भारी बर्फबारी के कारण न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी और मैसाचुसेट्स समेत कई राज्यों में आपातकाल घोषित कर दिया गया है।

तूफान का असर इतना ज्यादा है कि संयुक्त राष्ट्र को अपनी सुरक्षा परिषद की बैठक स्थगित करनी पड़ी और मुख्यालय बंद करना पड़ा। न्यूयॉर्क शहर में छह साल में पहली बार बर्फबारी के कारण स्कूल बंद किए गए। हालांकि, मेयर जोहरान ममदानी ने मंगलवार से स्कूल खोलने की बात कही है, जिसका कुछ अधिकारियों ने विरोध किया है। परिवहन व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। रेल और बस सेवाएं निलंबित हैं। सड़कों पर फिसलन और कम दृश्यता के कारण यात्रा करना बेहद खतरनाक हो गया है। प्रशासन ने लोगों से घरों में ही रहने की अपील की है। डोरडैश जैसी डिलीवरी सेवाओं ने भी अपना काम रोक दिया है।

तूफान के कारण बिजली व्यवस्था पर भी बुरा असर पड़ा है। पावरआउटेज डॉट यूएस के मुताबिक, पूर्वी तट पर 5,70,000 से ज्यादा घरों और व्यवसायों की बिजली गुल हो गई है। मैसाचुसेट्स और न्यू जर्सी में स्थिति सबसे खराब है। तेज हवाओं के कारण बिजली बहाल करने में कर्मचारियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, कुछ लोग इस मौसम का आनंद भी ले रहे हैं। टाइम्स स्क्वायर पर पर्यटक नाचते हुए दिखे, तो कुछ लोग स्लेजिंग का मजा लेते नजर आए। लेकिन मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि खतरा अभी टला नहीं है। एक और तूफान इस सप्ताह के अंत में आ सकता है, जिससे हालात और बिगड़ सकते हैं। प्रशासन ने नेशनल गार्ड को तैनात कर दिया है और राहत बचाव का काम जारी हैं।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक मामले में एक्शन, 24 घंटे के अंदर ही सरकार ने पैसा किया रिकवर

नई दिल्ली, एजेंसी। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक से जुड़े 590 करोड़ रुपए के कथित घोटाले मामले में आज यानी मंगलवार को बड़ा एक्शन हुआ है। बैंक से 556 करोड़ रुपए की रिकवरी के साथ ही करीब 25 करोड़ रुपए की ब्याज राशि रिकवर कर ली गई है। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने हरियाणा विधानसभा में जानकारी दी है कि सिर्फ 24 घंटे के अंदर ही सरकार ने IDFC First Bank से गबन की गई राशि को रिकवर कर लिया गया है।

590 करोड़ रुपए में से 556 करोड़ रुपए हरियाणा सरकार के अन्य बैंकों के खातों में IDFC बैंक के द्वारा ट्रांसफर कर दिए गए हैं। बैंक से पूरी रिकवरी 24 घंटे के दौरान ही कर ली गई है।

वित्त सचिव की अध्यक्षता में इस पूरे मामले को लेकर एक हाई लेवल कमेटी बनाई गई है जो आगे भी इस मामले की जांच जारी रखेगी ताकि पता लग सके कि बैंक कर्मचारियों के साथ कहीं हरियाणा सरकार के अलग-अलग विभागों के अधिकारी या कर्मचारी तो इस गबन की सांठ-गांठ में शामिल नहीं थे। बैंक भी अपनी और से जांच जारी रहेगी।

सीएम ने क्या कहा था?

इससे पहले सीएम ने कहा था कि सरकार के पैसे पुराने समय से अलग-अलग बैंकों में रखे जाते हैं। IDFC First Bank में हमारे कुछ विभागों के पैसे थे। सरकार ने प्रो-एक्टिव होकर बैंक खातों का मिलान किया तो पाया कि कुछ खातों का मिलान नहीं है। जनवरी माह के मध्य में कुछ खातों का मिलान नहीं हो पाया था। लेकिन हमने तुरंत बैंक को खाता बंद करने के लिए निर्देशित किया।

उन्होंने आगे कहा कि बैंक ने 21 तारीख को पत्र लिखा जबकि उससे पहले ही सरकार की तरफ से बैंक से कम्युनिकेशन कर लिया गया था। इसके साथ ही सरकार ने बैंक को संपूर्ण राशि ब्याज सहित अधिकृत बैंक में स्थानांतरित करने को कहा है। इसमें बैंक के कर्मचारियों की भूमिका सामने आ रही है। हरियाणा सरकार के विभागों ने इस मामले को ध्यान में लाया है। हरियाणा सरकार ने पूरा मामला एंटी करप्शन ब्यूरो को जांच करने के लिए दिया है।

भारत आ रहे कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी : पीएम मोदी से करेंगे मुलाकात ; इन मुद्दों पर होगी अहम चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी इस हफ्ते भारत आ रहे हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब अमेरिका के साथ कनाडा के व्यापारिक संबंधों में तनाव बना हुआ है। प्रधानमंत्री कार्नी गुरुवार को मुंबई पहुंचेंगे। यहां वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। यह मुलाकात काफी अहम मानी जा रही है क्योंकि पिछले कुछ समय से दोनों देशों के रिश्तों में खटास चल रही है।

भारत दौरे से पहले मार्क कार्नी ने कहा, ₹एक अनिश्चित दुनिया में कनाडा उन चीजों पर ध्यान दे रहा है जिन्हें हम नियंत्रित कर सकते हैं। हम अपने व्यापार को अलग-अलग देशों में फैला रहे हैं और बड़े पैमाने पर नया निवेश आकर्षित कर रहे हैं।₹ उनका लक्ष्य अगले दशक में अमेरिका के अलावा दूसरे देशों के साथ कनाडा के निर्यात को दोगुना करना है।

गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार कनाडा की अर्थव्यवस्था पर टैरिफ लगाने की धमकी देते रहे हैं। हाल ही में ट्रंप ने कनाडा से आयात होने वाले सामान पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। इससे दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया है।

पिछले साल भारत और कनाडा ने दो साल के तनावपूर्ण संबंधों के बाद एक व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई थी। साल 2024 में भारत, कनाडा का सातवां सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार था। दोनों देशों के रिश्तों में तनाव तब आया जब कनाडाई पुलिस ने जून 2023 में वैंकूवर के पास एक सिख कार्यकर्ता की हत्या में नई दिल्ली की भूमिका का आरोप लगाया था। कनाडा अकेला देश नहीं है जिसने भारतीय अधिकारियों पर विदेशी धरती पर हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया है। साल 2023 में अमेरिकी अभियोजकों ने भी कहा था कि एक भारतीय सरकारी अधिकारी ने न्यू यॉर्क में एक सिख अलगाववादी नेता की हत्या की नाकाम साजिश का निर्देश दिया था।

आस्ट्रेलिया और जापान का भी करेंगे दौरा

भारत के बाद कार्नी आस्ट्रेलिया के कैनबरा भी जाएंगे। वहां वह आस्ट्रेलिया की संसद के दोनों सदनों को संबोधित करेंगे। ऐसा करने वाले वह 20 साल में पहले कनाडाई प्रधानमंत्री होंगे। वह आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज से रक्षा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) जैसे मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे। इसके बाद कार्नी टोक्यो के लिए रवाना होंगे। जापान में वह प्रधानमंत्री ताकाइची सनाई से मिलेंगे। इस बैठक में स्वच्छ ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज और खाद्य सुरक्षा जैसे विषयों पर बातचीत होगी।

वन पीस में दिशा पाटनी ने दिए लाजवाब पोज

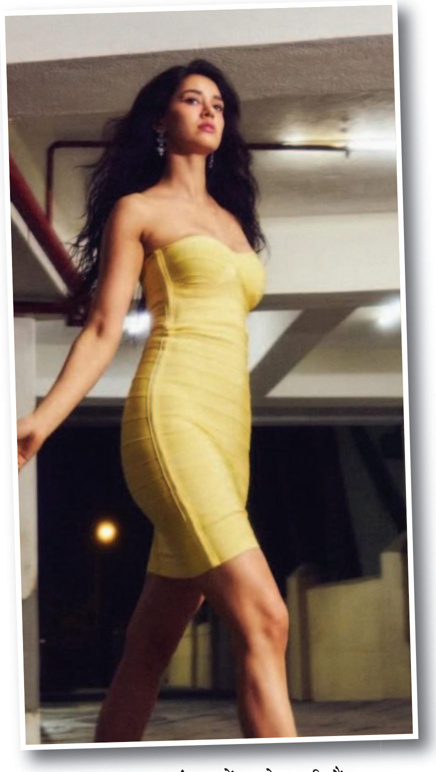

बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत अदाकाराओं के बारे में जिक्र किया जाए तो उसमें दिशा पाटनी का नाम जरूर शामिल होगा। दिशा पाटनी वो बी टाउन एक्ट्रेस हैं, जो आए दिन अपनी शानदार तस्वीरों के जरिए महफिल लूटती हुईं नजर आती हैं।

अभिनेत्री दिशा पाटनी सोशल मीडिया पर अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरों में देखा जा सकता हैं कि उन्होंने वन पीस में कई पोज दिए हैं। तस्वीरें शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा है मेरी सबसे प्यारी तस्वीर। दिशा की तस्वीरों को फैंस पसंद कर रहे हैं और उस पर कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा आप हमेशा से खूबसूरत हैं। एक दूसरे यूजर ने उन्हें एशिया क्वीन बताया हैं। हाल ही में दिशा तमिल फिल्म कंगुवा में नजर आई थी। अगली बार वह फिल्म आवारपन 2 और वेलकम टू द जंगल में आने वाली हैं। वह तमिल-अंग्रेजी फिल्म हिलेरियस गाड्र्स सांगा का भी हिस्सा होंगी।

अक्सर देखा गया है कि दिशा पाटनी जब भी सोशल मीडिया पर कोई तस्वीर शेयर करती हैं, वो चंद मिनटों में फैंस के बीच चर्चा का विषय बन जाती है।

आलम ये है कि हमेशा की तरह इस बार भी दिशा की ये लेटेस्ट तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं।

दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की फिल्म एमएस धोनी-द अनटोल्ड स्टोरी से हिंदी सिनेमा में डेब्यू करने वालीं दिशा पाटनी ने अब तक अपनी कमाल की अदाकारी से हर किसी को प्रभावित किया है।

अनिल कपूर की एक्शन ड्रामा फिल्म सूबेदार का धमाकेदार टीजर रिलीज, 5 मार्च को प्राइम वीडियो पर होगा प्रीमियर

प्राइम वीडियो ने अपनी आने वाली प्राइम ऑरिजिनल एक्शन-ड्रामा मूवी सूबेदार के वर्ल्डवाइड प्रीमियर की घोषणा कर दी है। यह फिल्म 5 मार्च को प्रीमियर के लिए तैयार है। सुरेश त्रिवेणी ने फिल्म सूबेदार का निर्देशन किया हैं और इसे विक्रम मल्होत्रा, अनिल कपूर, और सुरेश त्रिवेणी ने साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है।

ओपनिंग इमेज फिल्म्स प्रोडक्शन द्वारा अनिल कपूर फिल्म एंड कम्युनिकेशन नेटवर्क के साथ मिलकर तैयार की गई ये फिल्म बेहद दमदार और जज्बातों से भरी एक्शन-ड्रामा है। सूबेदार की कहानी सुरेश त्रिवेणी और प्रज्वल चंद्रशेखर ने लिखी है जिसमें अनिल कपूर और राधिका मदान मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं, साथ ही सौरभ शुक्ला, आदित्य रावल, फैजल मलिक और मोना सिंह ने भी अहम किरदार निभाए हैं।

सूबेदार फिल्म में एक रिटायर्ड फौजी, सूबेदार अर्जुन मौर्या की जिंदगी के उतार-चढ़ाव भरे सफ़र को दिखाया गया है, जो आज की बदलती दुनिया में सुकून पाने की तलाश में है, जहाँ उसके उन उसूलों पर सवाल उठाए जा रहे हैं जिसके सहारे उसने जिंदगी बिताई है। फिल्म में अनिल कपूर ने ज़बरदस्त अभिनय किया है, जो अपराध और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ते हैं, साथ ही अपने बिखरे हुए परिवार को जोड़ने की कोशिश करते हुए हमेशा सही का साथ देते हैं। भारत का हृदयस्थल में बसी, इस फिल्म में समाज के गिरते स्तर के बीच सम्मान तलाशने की दमदार कहानी को बड़ी संजीदगी से पर्दे पर दिखाया गया है।

प्राइम वीडियो इंडिया के डायरेक्टर और ऑरिजिनल्स के हेड, निखिल मधोक ने कहा, सूबेदार एक ज़बरदस्त एक्शन फिल्म होने के साथ-साथ बाप-बेटी की दिल को छू लेने वाली कहानी भी है। इस फिल्म में अनिल कपूर का अभिनय शानदार है, जो एक एक्शन हीरो के तौर पर शुरू से ही दर्शकों का दिल जीत लेंगे। सुरेश त्रिवेणी, अनिल कपूर, विक्रम मल्होत्रा और सूबेदार की पूरी टीम के साथ मिलकर काम करना हमारे लिए गौरव की बात है।

'भूत बंगला' में अक्षय कुमार के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी मिथिला पालकर, बहन के किरदार में आएंगी नजर

भूत बंगला 2026 की उन फिल्मों में से है जिसका दर्शकों को सबसे ज्यादा इंतजार है। इसकी सबसे बड़ी वजह है बॉलीवुड की ओजी जोड़ी अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की 16 साल बाद हो रही धमाकेदार वापसी। बालाजी मोशन पिक्चर्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म ने उन फैंस के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट पैदा कर दी है, जो इस जोड़ी की आइकॉनिक कॉमेडी फिल्में देख-देखकर बड़े हुए हैं। हर कोई उस सिग्नेचर ह्यूमर और हंसी के जादू को दोबारा पर्दे पर देखने के लिए बेताब है जिसने पिछली कई फिल्मों को यादगार बनाया था।

इस इंतजार को और बढ़ाते हुए अक्षय कुमार ने हाल ही में फिल्म की कास्ट में एक नया नाम जोड़ा है, मिथिला पालकर। अक्षय ने बताया कि मिथिला फिल्म में उनकी बहन का किरदार निभाती नजर आएंगी। इस फ्रेश कास्टिंग ने कहानी में एक नया एंगल जोड़ दिया है, और अब फैंस बस इस जोड़ी के ऑन-स्क्रीन मैजिक का इंतजार कर रहे हैं।

अक्षय कुमार ने खुद इस बारे में बताते हुए कहा, मिथिला ने अपना सफर इंटरनेट से शुरू किया था और आज वह कई फिल्मों में काम कर रही हैं। और जल्द ही, वह एक ऐसे एक्टर के साथ नजर आएंगी जिसे मैं बहुत अच्छी तरह जानता हूं, गेस कीजिए कौन? मैं खुद! भूत बंगला में मिथिला भूत का नहीं, बल्कि मेरी बहन का किरदार निभाती दिखेंगी।

फैंस भूत बंगला के लिए बेहद एक्साइटेड हैं। यह फिल्म न केवल अक्षय और प्रियदर्शन की ओजी जोड़ी को 16 साल बाद वापस ला रही है, बल्कि यह एक कम्पलीट फैमिली एंटरटेनर होने वाली है। इसमें भरपूर कॉमेडी, मजेदार अफरा-तफरी और दिल को छू लेने वाले पल देखने को मिलेंगे। दर्शक अक्षय कुमार को उनके पुराने अंदाज और जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग में देखने की उम्मीद कर रहे हैं, वहीं प्रियदर्शन वही पुराना जादू और कहानियों का वो देसी तड़का वापस ला रहे हैं जिसने उनकी पिछली फिल्मों को यादगार बनाया था।

बालाजी मोशन पिक्चर्स और केप ऑफ गुड फिल्म्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ वामिका गब्बी, परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव जैसे दिग्गज कलाकार नजर आएंगे। फिल्म के प्रोड्यूसर अक्षय कुमार, शोभा कपूर और एकता आर कपूर हैं। तैयार हो जाइए, भूत बंगला 10 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है।

शाहिद कपूर की फिल्म ओ रोमियो ने 50 करोड़ क्लब में ली एंट्री, अस्सी-दो दीवाने शहर में कांटे की टक्कर

शाहिद कपूर इन दिनों फिल्म ओ रोमियो को लेकर खबरों में हैं। इस एक्शन ड्रामा में शाहिद कपूर के अपोजिट तृप्ति डिमरी हैं। फिल्म थिएटर में लगी है और 52 करोड़ का कलेक्शन कर चुकी है। आइए जानते हैं फिल्म के 9 दिनों के कलेक्शन के बारे में।

सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने 9वें दिन यानी दूसरे शनिवार को 3.99 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन किया। वहीं 3.35 करोड़ का नेट कलेक्शन किया। फिल्म के टोटल शोज 2689 थे। फिल्म को 15.9 परसेंट की ऑक्यूपेंसी मिली। इसी के साथ फिल्म का टोटल कलेक्शन 52.60 करोड़ हो गया है।

दो दीवाने शहर में ने दूसरे दिन 1.92 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन और 1.60 करोड़ का नेट कलेक्शन किया। फिल्म को 1649 शो मिले हैं। इसी के साथ फिल्म को 13.4 करोड़ की ऑक्यूपेंसी मिली। फिल्म ने पहले दिन1.50 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन किया था। वहीं 1.25 करोड़ का नेट कलेक्शन किया। फिल्म ने टोटल 3.43 करोड़ का ग्रॉस और 2.85 करोड़ का नेट कलेक्शन कर लिया। इस फिल्म में मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी लीड रोल में हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित ।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com